mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-231 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

23 अगस्त 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

संसद की सुरक्षा में चूक,दीवार फांदकर कैम्पस में पहुंचा व्यक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद भवन की सुरक्षा में गुरुवार को सेंध का मामला सामने आया। एक व्यक्ति दीवार कूदकर संसद भवन में घुस गया और गरुड़ द्वारा तक पहुंच गया। सुरक्षा कर्मियों ने उसे तुरंत दबोच लिया। अब उससे पूछताछ की जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी सुबह 6.30 बजे रेलभवन के पास पेड़ की मदद से दीवार पर चढ़ा और कूदकर अंदर घुसा। हालांकि, घटना के समय संसद में कोई सांसद मौजूद नहीं था। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को खत्म हो गया था और राज्यसभा और लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था।

एक साल पहले 16 अगस्त 2024 को भी एक युवक दोपहर में दीवार फांदकर संसद परिसर में घुस गया था। वहां तैनात सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (CISF) के जवानों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था।

कोई गठबंधन नहीं, तमिलनाडु चुनाव डीएमके और टीवीके के बीच होगा

अभिनेता से नेता बने विजय की हुंकार

चेन्नई, एजेंसी। अभिनेता से नेता बने विजय ने तमिलनाडु की राजनीति में कदम रखना शुरू कर दिया है। उनकी की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत करेगी। इस बीच विजय ने लोगों से राज्य के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार तय करने में उनकी मदद करने का आग्रह किया। बीती शाम चेन्नई में एक रैली के दौरान उन्होंने एलान किया कि वह मदुरै पूर्व से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जनता को यह समझकर वोट देना होगा कि वह ही मदुरै की सभी सीटों पर उम्मीदवार हैं। लोग टीवीके को ही वोट दें, चाहे उम्मीदवार कोई भी हो।

गयाजी में मोदी बोले-

घुसपैठियों को देश से निकालकर रहेंगे इन्हें आपके हक पर डाका नहीं डालने देंगे

कांग्रेस-आरजेडी घुसपैठियों के साथ खड़े

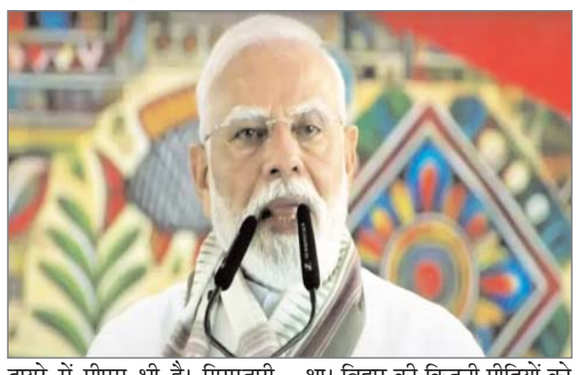

गयाजी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गयाजी से बिहार के लिए 13000 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत की। मगध यूनिवर्सिटी के कैंपस में अपने 34 मिनट के भाषण में उन्होंने कांग्रेस और RJD पर निशाना साधा। सरकार की उपलब्धियां गिनवाई। आतंकवाद और घुसपैठ पर भी बात की। पीएम ने कहा- हम घुसपैठियों को देश से निकालकर रहेंगे। इन्हें आपके हक पर डाका नहीं डालने देंगे। कांग्रेस-RJD घुसपैठियों के साथ खड़े हैं।

पहले जेल में बैठकर लोग फाइलों पर साइन करते थे। हम ऐसा बिल लेकर आए हैं, जिसके दायरे में पीएम भी है। गिरफ्तारी होते ही पद जाएगा। पहले बिहार में शाम को कहीं आना-जाना मुश्किल था। गयाजी जैसे शहर लालटेन राज में अंधेरे में डूबे रहते थे। न शिक्षा थी, न रोजगार था। बिहार की कितनी पीढ़ियों को इन लोगों ने पलायन के लिए मजबूर किया। पीएम मोदी गयाजी से बेगूसराय पहुंचे। उन्होंने यहां गंगा नदी पर बने 6 लेन औंटा-सिमरिया ब्रिज का उद्घाटन किया।

बिहार में डेमोग्राफी बड़ी चिंता : मोदी

बिहार में डेमोग्राफी पर बदलाव में पीएम मोदी ने कहा कि यह एक बड़ी चिंता है। पीएम ने कहा, बिहार के सीमावर्ती जिलों में घुसपैठ बढ़ रही है। जिन सुविधाओं पर भारतीयों का अधिकार है उनको घुसपैठी को डाका नहीं डालने देंगे। मैंने डेमीग्राफी मिशन शुरू किया है। हम हर घुसपैठी को देश से बाहर करके रहेंगे। कॉन्ग्रेस और RJD जैसे दल बिहार के गरीबों का हक छीनकर घुसपैठियों को देना चाहते हैं।

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा

मुंगेर में अंबेडकर प्रतिमा का अनावरण किए बिना निकल गए राहुल-तेजस्वी, लोगों ने विरोध किया

● पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने सिर्फ शिलापट्ट का उद्घाटन किया

मुंगेर, भागलपुर, एजेंसी। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा का आज छठा दिन है। काफिला भागलपुर के सुल्तानगंज पहुंचा है। इससे पहले काफिला मुंगेर के जमालपुर में था। पूर्व डिप्टी सीएम और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और VIP के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी भी राहुल से साथ हैं।

मुंगेर में राहुल-तेजस्वी ने खानकाह रहमानी के मौलाना से करीब 20 मिनट तक मुलाकात की। मुंगेर के सीमावर्ती क्षेत्र घोरघट में नवनिर्मित अंबेडकर प्रतिमा का अनावरण किए बिना राहुल गांधी एवं तेजस्वी यादव मौके से निकल गए। इससे वहां खड़े लोग नाराज हो गए। स्थिति को संभालने के लिए पूर्णिया सांसद ने शिलापट्ट का उद्घाटन किया। हालांकि स्थानीय लोग अब भी नाराज हैं। मुंगेर के शहरी इलाके में राहुल गांधी-तेजस्वी यादव का रोड शो हुआ। यात्रा मुस्लिम और यादव बहुल इलाकों से गुजरी। मुंगेर में राहुल गांधी की ये पहली यात्रा है।

मुंगेर के सीमावर्ती क्षेत्र घोरघट में 12 फिट ऊंची अंबेडकर का नवनिर्मित प्रतिमा का अनावरण आज राहुल गांधी एवं तेजस्वी यादव करने वाले थे। लेकिन कार्यक्रम स्थल पर प्रतिमा और शिलापट्ट को देखते हुए बिना उद्घाटन किए यात्रा सीधे आगे निकल गई। इससे स्थानीय लोग नाराज हो गए।

माहौल बिगड़ता देख थोड़ी देर बात पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने सिर्फ शिलापट्ट का उद्घाटन किया। फिर वो भी राहुल गांधी के काफिला के साथ निकल गए। अब प्रतिमा पर पुष्प अर्पित नहीं करने और उद्घाटन नहीं करने को लेकर लोगों में नाराजगी है। लोगों ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का विरोध जताया है।

केरल में बोले अमित शाह

भारत के शिखर पर पहुंचने तक किसी को आराम का अधिकार नहीं

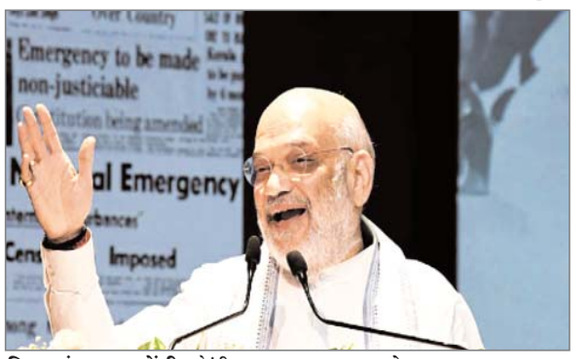

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है और उन्होंने देश के लोगों से आह्वान किया कि वे देश को दुनिया के हर क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें। हालांकि, उन्होंने इस बात पर निराशा भी जाहिर की कि केरल आज भी वहीं है जहां वह 11 साल पहले था, और उन्होंने कम्युनिस्ट विचारधारा के कारण पैदा हुए ठहराव को राज्य को पीछे धकेलने के लिए जिम्मेदार ठहराया।

मोदी सरकार की तारीफ की : केरल में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा भारत लंबे समय तक आर्थिक अस्थिरता का शिकार रहा। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में, भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी। कांग्रेस सरकार अपने 10 वर्षों में केवल एक ही अच्छी बात कर पाई कि उन्होंने इसे 12वें स्थान पर नहीं जाने दिया। पिछले 11 वर्षों में, प्रधानमंत्री मोदी ने देश को 11वें स्थान से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है।

शाह ने कहा, जब तक हम शिखर पर नहीं पहुंच जाते और एक महान भारत का निर्माण नहीं कर लेते, तब तक किसी को भी आराम करने का अधिकार नहीं है। जब आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया था, तब प्रधानमंत्री मोदी ने एक लक्ष्य रखा था कि आजादी के 75 से 100 वर्ष की इस यात्रा में, सभी 1.4 अरब नागरिक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें और देश को दुनिया के हर क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचाएं।

केरल वहीं, जहां 11 साल पहले था : शाह ने आगे कहा कि शांति और विकास की दृष्टि से, जब भी देश का इतिहास लिखा जाएगा तब प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों के शासन को स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा, फिर भी, मुझे खेद है कि भारत तो आगे बढ़ गया है, लेकिन केरल वहीं है जहां वह 11 साल पहले था। केरल में अपार अवसर हैं, लेकिन वामपंथी विचारधारा के कारण आए ठहराव ने इसके विकास को रोक दिया है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में, अपने मताधिकार का प्रयोग करके, केरल के लोग भी राष्ट्रीय विकास की यात्रा में शामिल होंगे।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला:पकड़े गए सामान्य कुत्ते नसबंदी कर छोड़े जाएंगे,खूंखार को कैद में रखा जाएगा

● सार्वजनिक जगह पर खाना देने पर रोक ● पशु प्रेमी-NGO को दिए अहम निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आवारा कुत्तों के मुद्दे पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा- जिन कुत्तों को पकड़ा गया है उन्हें नसबंदी और टीकाकरण के बाद ही छोड़ा जाना चाहिए, सिवाय उन कुत्तों के जो रेबीज से संक्रमित हैं या जिनका व्यवहार आक्रामक है।

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त के उस निर्देश पर रोक लगा दी है जिसमें कहा गया था कि जिन आवारा कुत्तों को पकड़ा गया है उन्हें छोड़ा नहीं जाना चाहिए।

कोर्ट ने कहा, कुत्तों को सार्वजनिक रूप से खाना देने की अनुमति नहीं है। आवारा कुत्तों खाना खिलाने के लिए अलग से जगह बनाई जाएगी। 14 अगस्त को जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की स्पेशल बेंच ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था।

सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने 11 अगस्त को डॉग बाइट्स और रेबीज के मामलों को देखते हुए सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में दिल्ली-एनसीआर के रिहायशी इलाकों से शेल्टर होम भेजने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट बोला- नेशनल लेवल पर पॉलिसी जरूरी, अब अक्टूबर में सुनवाई : जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा- इसके लिए नेशनल लेवल पर पॉलिसी बननी चाहिए। हमने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया है।

देश के बाकी हाईकोर्ट में जहां भी मामले लंबित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर किया जाए। अगली सुनवाई आठ हफ्ते बाद अक्टूबर के लिए लिस्ट कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर रिएक्शन

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। यह पशु कल्याण और जन सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की दिशा में एक कदम है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, पिछला आदेश न केवल अमानवीय था, बल्कि उस मानवीय उद्देश्य के भी खिलाफ था जिस पर सभी विश्वास करते हैं। मुझे यकीन है कि हर सभी इससे सहमत होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने पहले दिए गए गलत फैसले को ठीक कर दिया है। भाजपा नेता मेनका गांधी ने कहा, मैं इस फैसले से बहुत खुश हूं। जहां तक बात खूंखार कुत्तों की है।

संभल मस्जिद विवाद में सुप्रीम कोर्ट का यथास्थिति बनाए रखने का आदेश; नोटिस जारी किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को संभल मस्जिद विवाद में 25 अगस्त तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। उन्होंने हिंदू याचिकाकर्ताओं को नोटिस भी जारी किया। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने यह आदेश पारित किया। शीर्ष अदालत मस्जिद समिति की ओर से दायर एक अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें शाही जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर विवाद में संभल की एक अदालत की ओर से दिए गए सर्वेक्षण के खिलाफ उसकी याचिका खारिज कर दी गई थी और सर्वेक्षण के लिए सिविल अदालत के निर्देश को बरकरार रखा गया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने का आदेश और मुकदमा विचारणीय है। मस्जिद समिति ने पिछले साल 19 नवंबर को सिविल जज की ओर से मुगलकालीन मस्जिद के सर्वेक्षण का निर्देश देने वाले आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया था, जो उसी दिन हुआ था। समिति ने दावा किया कि पिछले वर्ष 24 नवंबर को किया गया दूसरा सर्वेक्षण अवैध था, क्योंकि सिविल न्यायालय ने कभी इसका आदेश नहीं दिया था।

राजस्थान के सवाईमाधोपुर में बाढ़, 250 घर डूबे

गुजरात में टैंकर बहा, इस पर सवार 13 लोगों का रेस्यू; जमू में स्कूल बिल्डिंग पर लैंडस्लाइड

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। शुक्रवार को 4 जिलों (उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़) में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सवाई माधोपुर में बाढ़ जैसे हालात हैं। पल्ली पार इलाके में करीब 250 घर पानी में डूब गए।

उधर गुजरात के पोरबंदर जिले में बारिश के बाद माधवपुर घेड इलाके में जलभराव हो गया। दूध का टैंकर बह गया। उसमें फंसे 13 लोगों को NDRF की टीम ने बचाया। वहीं जम्मू-कश्मीर में पुंछ के मंडी सेक्टर में लैंडस्लाइड के चलते एक स्कूल का हिस्सा टूट गया। मौसम विभाग (IMD) ने हिमाचल में 23 से 26 अगस्त तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। लैंडस्लाइड की वजह से नेशनल हाईवे समेत कुल 347 सड़कें अभी भी बंद हैं। इसके अलावा 281 ट्रांसफॉर्मर और 145 जलापूर्ति योजनाएं भी बाधित हुई हैं। राज्य में अब-तक 2282 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इसके अलावा 149 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 38 लापता हैं। राज्य में सामान्य से 17% ज्यादा बारिश हो चुकी है।

सवाई माधोपुर में कार सहित तीन लोग बहे, एक का शव मिला

राजस्थान के सवाई माधोपुर में नेशनल हाईवे 552 पर तेज बहाव में कार बह गई। इसमें सवार तीन लोग भी बह गए। इनमें से एक व्यक्ति की डेडबॉडी पुलिस और एसडीआरएफ की टीम की ओर से निकाली ली गई है। जबकि दो लोगों को ढूंढने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

यमुनोत्री हाईवे पर स्याना चट्टी में 150 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया

उत्तरकाशी में यमुनोत्री हाईवे पर स्याना चट्टी में बनी एक अस्थायी झील में कई घर, होटल, एक स्कूल और एक पुल डूब गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोगों को सुरक्षित निकालने के आदेश दिए हैं। SDRF, NDRF और स्थानीय प्रशासन ने 150 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

दिल्ली की मुयमंत्री स्वस्थ, जल्द काम पर लौटेंगी, अब सीआरपीएफ के सुरक्षा घेरे में रहेंगी सीएम

दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पूरी तरह स्वस्थ हैं और जल्द ही अपने नियमित कार्यक्रम में लौटेंगी। यह बातें सीएम से मुलाकात के बाद भाजपा सांसदों ने कहीं। सीएम आवास पर केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली से भाजपा के अन्य सांसदों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि सीएम स्वस्थ हैं और जल्दी काम पर लौटेंगी। इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन यह उनकी जनता से मिलने की दिनचर्या को प्रभावित नहीं करेगी। सांसद बांसुरी स्वराज ने मुख्यमंत्री की हिम्मत और साहस की तारीफ करते हुए कहा कि रेखा गुप्ता साहसी हैं, उनका मनोबल ऊंचा है। सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि वह पहले की तरह जनता से मिलती रहेंगी।

सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि इसे सुरक्षा चूक नहीं कहा जा सकता। किसी आम नागरिक से ऐसा कदम उठाने की आशंका अप्रत्याशित थी। भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने हमले को मुख्यमंत्री की बढ़ती लोकप्रियता से जोड़ते हुए कहा कि यही इसकी असली वजह है।

सीआरपीएफ का वीआईपी सिक्योरिटी ग्रुप देगा सीएम रेखा को सुरक्षा कवच 5 दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता की सुरक्षा में बदलाव करते हुए इसे और पुख्ता किया गया है। केंद्रीय गृहमंत्रालय के आदेश पर अब मुख्यमंत्री की सुरक्षा का जिम्मा सीआरपीएफ के वीआईपी सिक्योरिटी गुप (वीएसजी) (जेड कैटेगिरी) को सौंपा गया है। 22 से 25 जवान 24 घंटे उनकी सुरक्षा में तैनात रहेंगे। इनमें आधा दर्जन से अधिक महिला कमांडो भी शामिल हैं। बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और गांधी परिवार को भी वीएसजी ही सुरक्षा कवच प्रदान करता है। समीक्षा बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है।

सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह हर आने-जाने वाले पर नजर रखेंगे और उनकी संख्या को भी नियंत्रित करेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री आवास पर उन्नत सुरक्षा उपकरण लगाए जाने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री के पास निश्चित दूरी से ही आम लोगों को मिलने दिया जाए। इसके अलावा सार्वजनिक कार्यक्रम में भी ज्यादा सुरक्षा देने के आदेश दिए गए हैं। हालांकि दिल्ली पुलिस को उनकी सुरक्षा से पूरी तरह नहीं हटाया गया है। बाहरी घेरे में दिल्ली पुलिस के जवान भी उनकी सुरक्षा में तैनात रहेंगे। बता दें कि 20 फरवरी को दिल्ली की मुख्यमंत्री का पदभार संभालने क बाद से रेखा गुप्ता लगातार जनसुनवाई का कार्यक्रम आयोजित कर रही हैं। बुधवार को उनको इसी कार्यक्रम में गुजरात से आए राजेश भाई खिमजी भाई सकरिया नामक युवक ने हमला कर दिया। हमले में मुख्यमंत्री के सिर, कंधे और हाथ में चोट लगी थी।

शादी से इन्कार करने पर युवती पर किया जानलेवा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तम नगर इलाके में शादी से इन्कार करने पर सिरफिरे युवक ने शराब की बोतल तोड़कर युवती पर हमला कर उसे बुरी तरह से घायल कर दिया। पीड़िता का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़िता के बयान पर उत्तम नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उत्तम नगर निवासी युवती भाई-भाभी के साथ रहती है। पीड़िता ने बताया कि 16 अगस्त की रात वह विकासपुरी में घरों पर खाना बनाने के बाद साइकिल से घर आ रही थी। घर के कुछ दूरी पर इलाके में रहने वाला अमन गली में खड़ा था। उसके हाथ में शराब की बोतल थी। पास पहुंचते ही अमन ने उसे रोक लिया और शादी करने का दबाव बनाने लगा। मना करते ही अमन ने शराब की बोतल को तोड़कर उसपर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। पीड़िता डीडीयू अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोप है कि अमन काफी दिनों से उसे तंग कर रहा था। वह लगातार उसपर शादी करने का दबाव बना रहा था। काफी बार मना करने के बावजूद वह उसे तंग करता रहा। उस मैसेज को देखकर परिवार के लोगों को शक हुआ। उन्होंने बीपीटीपी थाने में हरवीर के लापता होने की सूचना दी।

जेएनयू में हंगामा: लाइब्रेरी में अत्याधुनिक प्रवेश प्रणाली को लेकर घमासान, छात्रसंघ अध्यक्ष नीतीश कुमार हुए चोटिल

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की डॉ. बी आर आंबेडकर सेंट्रल लाइब्रेरी में बाहरी छात्रों को प्रवेश देने से रोकने के लिए अत्याधुनिक प्रवेश प्रणाली लगाने को लेकर घमासान शुरू हो गया है। जेएनयू छात्र संघ के पदाधिकारी प्रवेश प्रणाली को लेकर आमने-सामने हैं। आज जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की डॉ. बीआर अंबेडकर सेंट्रल लाइब्रेरी में अत्याधुनिक प्रवेश प्रणाली लगाने को लेकर हंगामा हुआ है। मशीन लगाने के समय विवाद हुआ है। बताया जा रहा है कि इस दौरान छात्रसंघ अध्यक्ष नीतीश कुमार के पैर में चोट लग गई। मशीन लगाने से रोकने के दौरान गेट का शीश टूटकर पैर में लगा है। दिल्ली पुलिस कैंपस में पहुंची। हाल में लाइब्रेरी के रीडिंग रूम में टेबल पर जातिसूचक और आपत्तिजनक शब्द लिखने का मामला सामने आया था। जिसमें दो पूर्व छात्रों के दोषी मिलने पर उनके परिसर में आने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जेएनयू छात्र संघ की सचिव मुंतेहा फातिमा ने बताया, घटना के बाद से प्रशासन छात्रों से लाइब्रेरी में पढ़ने का अधिकार छीन रहा है। प्रवेश के लिए फेस रिकग्निशन प्रणाली को लागू किया जा रहा है।

पैसे के विवाद में पत्नी और बेटे ने की प्रॉपर्टी डीलर की हत्या, बोरे में फेंका शव; मैसेज से खुली पोल

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद सेक्टर-75 स्थित टेरा सोसायटी में रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर की 11 जुलाई की रात को उसकी पत्नी और बेटे ने मिलकर पैसों को लेकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद शव को बोरे में बंद करके सुनसान जगह पर फेंक दिया। सुसराल वाले जब भी बहू से बेटे के बारे में पूछते तो वह कहती कि वह विदेश घूमने गए हैं। कुछ समय बाद पत्नी ने पति के फोन से ही परिजनों को मैसेज भेज दिया कि मुझसे कोई अपराध हो गया है इसलिए शहर छोड़कर भाग गया हूं। जिस पर परिजनों को शक हुआ तो पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी और बेटे को हिरासत में लिया। पूछताछ में उन्होंने हत्या करने के बाद शव सिद्धदाता आश्रम के सामने सुनसान जगह पर बोरे में बंद करके फेंकने की बात कबूल ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को शव बरामद कर लिया। थाना बीपीटीपी पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है।

गांव अजरौंदा निवासी कुलवीर ने बताया, भाई हरवीर टेरा सोसायटी में पत्नी संगीता और बेटे साहिल के साथ रहता था। संगीता और हरवीर का आए दिन पैसों को लेकर झगड़ा होता था। आरोप है कि हरवीर ने किसी काम के लिए घर में सात लाख रुपये रखे थे। वह बेटे साहिल और संगीता ने खर्च कर दिए। जिसको लेकर हरवीर का संगीता के साथ झगड़ा हुआ। झगड़े के बाद हरवीर को मारने की साजिश रची। जिसमें संगीता की बहन के भी शामिल होने की बात सामने आ रही है। 11 जुलाई की रात को हरवीर फ्लैट में सोया था। रात को तीनों ने हरवीर से कमरे का दरवाजा खोलने के लिए कहा लेकिन उसने गेट नहीं खोला। जिस पर तीनों किसी तरह उसके कमरे में दाखिल हुए और सिर पर किसी भारी वस्तु से चोट मारकर उसकी हत्या कर दी।

हत्या करने के अगले दिन पहुंच गई ससुराल : हरवीर की हत्या करने के बाद सिद्धदाता आश्रम के सामने सुनसान जगह पर शव को बोरे में बंद करके फेंक दिया। अगले दिन संगीता अपने ससुराल अजरौंदा पहुंच गई। परिजनों ने हरवीर को लेकर जानकारी मांगी तो कहा कि वह विदेश अपने दोस्तों के साथ घूमने गए हैं। मृतक पहले भी घूमने के लिए जाता था इसलिए परिवार के लोगों को शक नहीं हुआ। 10 दिन के बाद वह वापस चली गई। कुछ दिनों के बाद जब हरवीर के बारे में पूछा तो वह बहाने बनाने लगी।14 अगस्त को संगीता ने हरवीर के फोन से ही है। इसलिए वह शहर छोड़कर जा रहा है।

कुछ ही मिनटों में ट्रेनों की सीटें फुल, अब स्पेशल का इंतजार; कन्फर्म टिकट की बुकिंग चुनौती

दिल्ली, एजेंसी। दीपावली और छठ महापर्व पर घर जाने की तैयारी कर रहे दिल्लीङ्कएनसीआर के यात्रियों के लिए ट्रेन टिकट बुकिंग बड़ी चुनौती बन गई है। 20 अगस्त की सुबह जैसे ही 19 अक्तूबर (छोटी दीपावली) की यात्रा के लिए टिकट बुकिंग शुरू हुई, दिल्ली से पूर्वांचल और बिहार जाने वाली ज्यादातर ट्रेनों में कुछ ही मिनटों में 'बुकिंग क्लोज' और 'रिग्रेट' की स्थिति बन गई। एसी क्लास की सीटें तो पलभर में भर गईं, वहीं स्लीपर क्लास में भी लंबी वेटिंग लिस्ट दर्ज हो गई। ट्रेन में सीटों की भारी मांग का सीधा कारण दीपावली और छठ महापर्व है। इस बार दीपावली 20 अक्तूबर (सोमवार) को है, इससे एक दिन पहले 19 अक्तूबर को छोटी दीपावली व नरक चतुर्दशी मनाई जाएगी। इसी वजह से 19 अक्तूबर की यात्रा के लिए भारी संख्या में लोगों ने टिकट बुक कराने की कोशिश की और परिणामस्वरूप ट्रेनों की सीटें चंद मिनटों में भर गईं।

दिल्लीङ्कएनसीआर में कामकाज करने वाले लाखों लोग दीपावली और छठ पर गांव लौटते हैं। टिकट न मिलने से कई लोग परेशान हैं। बिहार के मुंगेर निवासी दीपक कुमार ने बताया कि परिवार के साथ दीपावली पर घर जाने की योजना बना रहे हैं। लेकिन टिकट बुक नहीं हो पा रही हैं। अब छठ की बुकिंग का इंतजार रहेगा। वहीं दरभंगा निवासी प्रमोद ने बताया कि त्योहार पर टिकट मिलना बेहद मुश्किल हो गया है। सरकार को स्पेशल ट्रेनों का इंतजाम करना होगा।

दिल्ली से बिहार पूर्वांचल की प्रमुख ट्रेनों की स्थिति : नई दिल्लीङ्कराजेंद्र नगर तेजस राजधानी, डिब्रूगढ़ राजधानी, विक्रमशिला एक्सप्रेस, संपूर्ण क्रांति सुपरफास्ट, पूर्वा एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र मेल, सीमांचल एक्सप्रेस व मगध एक्सप्रेस सभी में बुकिंग क्लोज। नॉर्थ ईस्ट सुपरफास्ट, पूर्वोत्तर संपर्क क्रांति, अमृत भारत एक्सप्रेस इन ट्रेनों में लंबी वेटिंग है। वहीं सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस थर्ड एसी में 140 ज्यादा वेटिंग। श्रमजीवी एक्सप्रेस एसी क्लास बुकिंग क्लोज, स्लीपर में 120 से ज्यादा की वेटिंग, नई दिल्लीङ्कमालदा टाउन एक्सप्रेस थर्ड एसी में 146 वेटिंग, अन्य एसी क्लास क्लोज। वहीं आनंद विहारङ्कपटना स्पेशल और फरक्का एक्सप्रेस में लंबी वेटिंग है।

सभी जिला अदालतों में हड़ताल, एलजी की अधिसूचना के खिलाफ खुला मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सभी जिला अदालतों के बार संघों की समन्वय समिति ने उपराज्यपाल की ओर से 13 अगस्त को जारी एक अधिसूचना के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। इस अधिसूचना में दिल्ली के पुलिस थानों को पुलिस अधिकारियों के साक्ष्य दर्ज करने के लिए निर्दिष्ट स्थान बनाने की अनुमति दी गई थी, जिसे विधिक समुदाय ने कानून के खिलाफ और जनता के हितों के विपरीत बताया है। ऐसे में समन्वय समिति ने इसको लेकर बृहस्पतिवार को एक बैठक की, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 22 और 23 अगस्त को दिल्ली की सभी जिला अदालतों में वकील पूर्ण कार्य-विरत रहेंगे। इस दौरान कोई भी वकील प्रत्यक्ष या आभासी माध्यम से अदालतों में उपस्थित नहीं होगा। समिति ने सभी वकीलों से इस हड़ताल में सहयोग करने की अपील की है। साथ ही, चेतावनी दी है कि उल्लंघन करने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समन्वय समिति के सचिव तरुण राणा ने बताया कि यह अधिसूचना न केवल कानून के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है, बल्कि यह आम लोगों के अधिकारों का भी हनन करती है। उनकी मांग है कि इस अधिसूचना को तुरंत वापस लिया जाए। उन्होंने बताया कि समिति ने यह भी घोषणा की है कि 23 अगस्त को एक और बैठक आयोजित करेगी, जिसमें स्थिति की समीक्षा की जाएगी और आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

जानें क्या है पूरा मामला : बता दें कि समन्वय समिति ने 20 अगस्त उपराज्यपाल, गृह मंत्री, विधि एवं न्याय मंत्री, मुख्यमंत्री और को एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें इस अधिसूचना को तत्काल वापस लेने की मांग की गई थी। ज्ञापन में कहा गया कि यह अधिसूचना केंद्र सरकार के गृह सचिव की ओर से 15 जुलाई, 2024 को जारी परिपत्र के विपरीत है। हालांकि, अधिकारियों ने कोई कार्रवाई न किए जाने के कारण विधिक समुदाय में तीव्र आक्रोश है।

यूरोपीय संघ और अमेरिका ने 15 प्रतिशत टैरिफ वाले व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया

वाशिंगटन ब्रसेल्स (बेल्जियम), एजेंसी। आखिरकार यूरोपीय संघ और अमेरिका ने 15 प्रतिशत टैरिफ वाले अपने व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे दिया। पिछले महीने यूरोपीय संघ और अमेरिका ने एक टैरिफ समझौते की घोषणा करके व्यापार युद्ध से दूरी बनाई थी। तब यह सिर्फ एक औपचारिक समझौता था। कई हफ्तों से वार्ताकार इसके विवरण पर विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने गुरुवार को इसका विस्तृत विवरण दुनिया के सामने साझा किया।

द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार और ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन की खबर के अनुसार, इस समझौते तहत अमेरिका को होने वाले अधिकांश यूरोपीय निर्यात पर 15 प्रतिशत की स्पष्ट अधिकतम टैरिफ दर लागू होगी। संयुक्त बयान में दोनों देशों ने यूरोपीय कारों, दवाओं और लकड़ी पर लागू टैरिफ को कम करने पर सहमति व्यक्त की। लेकिन यूरोप के प्रमुख वाइन और स्पिरिट क्षेत्र सहित अन्य प्रमुख निर्यातक शून्य टैरिफ रियायत पाने में विफल रहे और अब उन्हें बढ़ी हुई लागत का बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर डालना पड़ रहा है।

दोनों पक्षों के अनुसार यह समझौता दुनिया के सबसे मूल्यवान आर्थिक संबंधों को प्रभावित करेगा, जिसका मूल्य प्रति वर्ष 1.6 ट्रिलियन यूरो (2.8 ट्रिलियन डॉलर) है। यह समझौता पिछले महीने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुए समझौते पर आधारित है।

वॉन डेर लेयेन ने कहा, चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करते हुए हमने अपने सदस्य देशों और उद्योग जगत के लिए काम किया है और ट्रान्साटलांटिक (अटलांटिक महासागर के उस पार) व्यापार में स्पष्टता और सुसंगतता बहाल की है। यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफ्कोविक ने कहा कि अमेरिका के साथ यह समझौता किसी भी व्यापारिक साझेदार को दिया गया सबसे अनुकूल है। सेफ्कोविक ने कहा कि इस समझौते से अमेरिका को यूरोपीय कार निर्यात पर टैरिफ की दर 27.5 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि फ्रांस और प्रयास विफल रहा।

पुतिन से मुलाकात के बाद डॉ. जयशंकर ने कहा-दूसरे विश्वयुद्ध के बाद भारत-रूस संबंध दुनिया में सबसे स्थिर

मास्को, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अहम मुलाकात की।डॉ. जयशंकर ने दोनों देशों के संबंधों की मजबूती के साथ राष्ट्रपति पुतिन की इस साल के अंत में प्रस्तावित भारत यात्रा के विभिन्न पहलुओं को अंतिम रूप देने पर भी चर्चा की। रूस की तीन दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को यहां पहुंचे डॉ. जयशंकर की पुतिन से यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने क्रेमलिन में राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। इससे पहले एस जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव से भी मुलाकात की। इन मुलाकातों की तस्वीरें डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की हैं। रूसी एजेंसी तास के मुताबिक पुतिन से मुलाकात के बाद डॉ. जयशंकर ने सर्गेई लावरोव के साथ साझा संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद भारत-रूस संबंध सबसे मजबूत और स्थिर रिश्तों में से एक रहा है। रूस के साथ रक्षा और सैन्य सहयोग मजबूत है। रूस संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सहित भारत के %मेक इन इंडिया% लक्ष्यों का समर्थन करता है।

लावरोव ने कहा कि वार्ता में आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई जिसमें इस साल के अंत में होने वाली रूस के राष्ट्रपति की भारत यात्रा की तैयारी भी शामिल है। लावरोव ने रूस- भारत संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी बताया।

उल्लेखनीय है कि यूक्रेन संकट को लेकर 18 अगस्त को राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन कर अलास्का में हुई रूस-अमेरिका सम्मेलन को लेकर बातचीत की। इससे पहले 7 अगस्त को पुतिन ने भारतीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मिले। ये मुलाकातें ऐसे समय में हो रही हैं जब अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ट्रंप प्रशासन का कहना है

आज और कल आंधी के साथ बारिश के आसार, मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट, छाये रहेंगे बादल

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में बादलों की छुका-छिपी के बीच उमस से लोग परेशान हैं। हालांकि, बीच-बीच में हल्की हवाएं राहत पहुंचा रही है। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को दिनभर आसमान में सूरज ने अपने कड़े तेवर दिखाए। दोपहर आते-आते बादलों ने डेरा जमा लिया। इसके बाद कई इलाकों में आंधी के बाद हल्की बारिश शुरू हो गई। ऐसे में लोगों को उमस भरी गर्मी ने और परेशान किया। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए भी हल्की स्तर की वर्षा होने की संभावना जताई है। इस दौरान आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

आगे कैसा रहेगा मौसम : मौसम विभाग के अनुसार, 22 और 23 अगस्त को भी आंधी के साथ मध्यम से तेज बारिश भी हो सकती है। वहीं, 23 तारीख के लिए बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद 24 से 27 अगस्त तक हर दिन बारिश हल्की होने की संभावना है। 36 डिग्री के बीच और न्यूनतम 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं, शनिवार को अधिकतम तापमान के नीचे गिरकर 30 से 32 डिग्री के बीच और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, रविवार और सोमवार को अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री के बीच और न्यूनतम 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री के बीच और न्यूनतम 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। बुधवार को एक डिग्री की बढ़ोतरी के साथ अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पुलिस ने जब उसकी पत्नी संगीता और साहिल को पूछताछ के लिए फोन किया तो फोन बंद मिला। पुलिस को शक हुआ और बुधवार रात को संगीता और साहिल को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के बाद बाद हत्याकांड का खुलासा हुआ।

नेपाल में मधेश आंदोलन के दौरान हुए 400 से अधिक पुलिस इनकाउंटर की जांच का आदेश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में लोकतंत्र पुनर्बहाली के बाद शुरू हुए मधेश आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा किए गए 400 से अधिक इनकाउंटर की जांच का आदेश दिया गया है। 9 साल पहले कोर्ट में दायर एक याचिका पर फैसला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी इनकाउंटर की निष्पक्ष जांच करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों के बेंच ने सन 2006 से लेकर 2015 के बीच मधेश के जिलों में पुलिस द्वारा विशेष सुरक्षा अभियान के नाम पर किए गए इनकाउंटर की जांच करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील रंजन सिंह के द्वारा दायर किए गए रिट पर कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए के केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) से इन सभी इनकाउंटर की जांच करने को कहा है। 2016 में अधिवक्ता सुनील रंजन सिंह ने कोर्ट में याचिका दायर करते हुए करने का आरोप लगाते हुए इसकी जांच की मांग की थी। अब 9 साल बाद सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, मनोज केसी और हरि फुयाल की बेंच ने सभी घटनाओं की निष्पक्ष जांच का आदेश दिया है। भारतीय सीमावर्ती क्षेत्र मधेश के जिलों में अपने संवैधानिक अधिकार और सामाजिक पहचान को लेकर आंदोलन शुरू किया। इसी बीच कई संगठनों ने सशस्त्र आंदोलन भी शुरू किया था। इनमें माओवादी से अलग हुए मधेशी नेताओं ने सशस्त्र विद्रोह करने की घोषणा की थी। इससे निबटने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल ने नेपाल पुलिस को विशेष सुरक्षा योजना के तहत इन सशस्त्र विद्रोहियों के साथ निबटने का विशेषाधिकार दिया था।

नेपाल पुलिस ने मधेश के 22 सरकार के विशेष सुरक्षा योजना के तहत पुलिस द्वारा 400 से अधिक फेक इनकाउंटर कर निर्दोष नागरिकों की हत्या जिलों में विशेष सुरक्षा योजना के तहत कई इनकाउंटर किए जिसमें 400 से अधिक नागरिकों की मौत हो गई। याचिकाकर्ता का आरोप है कि नेपाल पुलिस ने अधिकांश फेक इनकाउंटर कर निर्दोष लोगों की हत्या की है। इसमें अधिकांश निर्दोष लोग मारे हैं जिन पर सशस्त्र समूहों के साथ मिले होने का आरोप लगा था। कोर्ट के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अधिवक्ता सुनील रंजन सिंह ने कहा कि अदालत का फैसला स्वागतयोग्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अदालत के आदेश के बाद सीआईबी इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच करेगी दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि वैसे तो रिट में इन घटनाओं की न्यायिक जांच के आदेश देने की मांग की गई थी लेकिन कोर्ट ने उसे नहीं माना।

बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, बाल न्याय प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक द्वारा 22 अगस्त को बच्चों से संबंधित मामलों की पैरवी करने वाले अधिवक्ताओं, अन्य हितधारकों एवं पैरालीगल वॉलेंटियरों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में अधिवक्ताओं एवं प्रतिभागियों से बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, बाल न्याय प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उनके कल्याण से संबंधित विषयों पर सुझाव प्राप्त किए गए। साथ ही उपस्थित सभी हितधारकों ने बाल संरक्षण हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

इसके अतिरिक्त सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक द्वारा विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों को बच्चों से जुड़े मामलों में लागू विभिन्न कानूनों, नि:शुल्क विधिक सहायता योजनाओं तथा उपलब्ध सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बैठक एवं शिविर का उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना तथा समाज में विधिक जागरूकता का प्रसार करना रहा। जिला विधिक सहायता अधिकरी श्री मनीष कौशिक ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आमजन को न्याय दिलाने हेतु निरंतर कार्यरत है।

उक्त शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, अधिवक्तागण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण रूपेन्द्र कुमार मिश्रा, राजेश प्रताप सिंह, उमाकांत शुक्ला, अदिति पटेल तथा अन्य सभी हितधारक सहित जिला सीधी एवं तहसील रामपुर नैकिन एवं मझौली के पैरालीगल वॉलेंटियर्स उपस्थित रहे।

मिशन कर्मयोगी योजना अंतर्गत शिक्षकों हेतु आयोजित होंगे ऑनलाइन प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, मध्यप्रदेश द्वारा मिशन कर्मयोगी योजना के अंतर्गत शिक्षकों के लिए आई गाट पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

एपीसी रमसा डा सुजीत कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राचार्य एवं सभी स्तर के शिक्षकों के लिए यह प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है। प्रत्येक कर्मचारी को 15 घंटे का प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा।

इस प्रशिक्षण में लगभग 166 प्रशिक्षण मॉड्यूल उपलब्ध हैं प्रत्येक मॉड्यूल की अवधि अधिकतम 50 मिनट है। यदि कोई अधिकारी या शिक्षक अतिरिक्त प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहता है, तो वह स्वेच्छा से अपनी रुचि के अनुसार उपलब्ध मॉड्यूल चुन सकता है। ज़िला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने सभी बीईओ, बीआरसीसी, प्राचार्य एवं शिक्षको निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए है।

हिनौती गौधाम के लिए धन की कमी नहीं : सिद्धार्थ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भाजपा विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि मनगंवा और त्योंथर विधानसभा के बीच हिनौती गोधाम में बनने वाले गौ अभ्यारण से सैकड़ों गांवों के किसानों को सीधा फायदा होगा एवं खेती की स्थिति सुधरेगी,त्योंथर विधानसभा के कई गांव इस गौशाला से लाभान्वित होंगे।उन्होंने निर्माणाधीन गौशाला के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में इस बृहद गौशाला का निर्माण हो रहा है जो प्रदेश के लिए एक मिशाल होगी।सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि गौशाला और यहां हो रहे निर्माण कार्यों के संबंध में मुख्यमंत्री से विस्तृत चर्चा हुई जिस पर उन्होंने आश्वस्त किया कि हिनौती गौधाम में हो रहे निर्माण में धन की कोई कमी नहीं आएगी। गौधाम में 25 हजार गौवंशों को रखने की व्यवस्था की जाएगी।छोटे मोटे निर्माण कार्य पूरे हो चुके मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर जल्द ही बड़े कार्य पूर्ण होंगे और इस गौशाला का लाभ सैकड़ों गांवों के किसानों को मिलेगा तथा बेमौत मर रहे गौवंशों को सड़क दुर्घटना से निजात मिलेगी।श्री तिवारी ने कहा कहा कि जो थोड़ी बहुत कमियां हैं उन्हें जल्द दुरुस्त कर लिया जाएगा। प्रशासनिक अधिकारी पूरी सजगता के साथ गौवंशों की व्यवस्था में लगे हुए है,त्योंथर क्षेत्र के नेताओं को भी समिति में शामिल किया गया है ताकि बेहतर व्यवस्था के लिए अपने सुझाव दें व भविष्य में इस क्षेत्र के लोगों को सीधा लाभ मिल सके।

शैक्षणिक संस्थानों में नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने जानकारी देकर बताया कि माननीय प्रधानमंत्री का संकल्प नशामुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) की पॉचवी वर्षगांठ के अवसर पर युवाओं एवं विद्यार्थियों में नशामुक्त जनजागरूकता हेतु माननीय मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में दिनांक 13 अगस्त 2025 को रविन्द्र भवन के हंसधवनि सभागृह भोपाल में राज्य स्तरीय नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नशामुक्त भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दिनांक 18 अगस्त से 13 अक्टूबर 2025 तक जिले के प्रत्येक शैक्षणिक संस्थानों (विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों) में नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम हेतु प्रतिदिन 01 घंटे का नशामुक्त भारत अभियान के पोर्टल पर ई प्रतिज्ञा के माध्यम से नशामुक्त शपथ कराने एवं नशामुक्ति पर व्याख्यान कार्यक्रमों के आयोजन कराया जाना है। (आईईसी मटेरियल–एचटीटीपीएस://

एनएमबीए.डॉसेज.जीओव्ही .इन/पेज/आईईसी–मटेरियल पर उपलब्ध है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उक्त कार्यक्रम के आयोजन हेतु जनपद/नगरीय निकायों में पदस्थ सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अपने क्षेत्र से संबंधित विद्यालयों, महाविद्यालयों के प्राचार्य से संपर्क कर नशामुक्त भारत अभियान से संबंधित कार्यक्रमों का प्रत्येक दिवस आयोजन कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रतिदिन ई–प्रतिज्ञा लेने वालों की संख्या एवं कार्यक्रमों की जानकारी इस कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें।

सीधी के सेमरिया अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं ठप

डॉक्टर और बीएमओ नदारद, मरीजों को नहीं मिल रहा इलाज; जांच की सुविधा भी नहीं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के सेमरिया अस्पताल में मरीजों को बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं तक नहीं मिल रही हैं। अस्पताल में डॉक्टर और बीएमओ की नियुक्ति होने के बावजूद मरीजों को इलाज नहीं मिल रहा है।

बीएमओ पर अटेंडेंस तक सीमित रहने का आरोप: अस्पताल की बीएमओ श्रेया त्रिपाठी पर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। लोगों का कहना है कि वे सिर्फ अटेंडेंस दर्ज कराने आती हैं और अधिकतर समय जिला मुख्यालय में ही रहती हैं।

जांच और इलाज की सुविधा नहीं: ग्रामीण प्रभात वर्मा ने बताया कि अस्पताल में कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। मरीज ए. प्रबंध साकेत ने कहा कि उन्हें चार दिन से बुखार है, लेकिन न तो जांच की व्यवस्था है और न ही डॉक्टर इलाज करते हैं। केवल सामान्य दवाएं देकर मरीजों को लौटा दिया जाता है।

शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं: ग्रामीणों ने इस समस्या की शिकायत कई बार सीएमएचओ और विभागीय अधिकारियों से की है। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। मरीजों को मजबूरी में प्राइवेट क्लिनिक का सहारा लेना पड़ रहा है।

बीएमओ ने खारिज किए आरोप: इस पर बीएमओ श्रेया त्रिपाठी ने सभी आरोपों को गलत बताया। उनका कहना है कि अस्पताल की व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त हैं और लोग झूठे आरोप लगाकर गुमराह कर रहे हैं।

कल्याण ज्वैलर्स ने रीवा में अपने नए शोरूम के साथ अपनी पहुँच का विस्तार किया

बॉलीवुड स्टार करिश्मा कपूर करेंगी उद्घाटन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत के सबसे विश्वसनीय और अग्रणी आभूषण ब्रांडों में से एक, कल्याण ज्वैलर्स ने आज मध्य प्रदेश के रीवा स्थित हुजूर नगर में अपने नए शोरूम के शुभारंभ की घोषणा की। बॉलीवुड स्टार करिश्मा कपूर रविवार, 24 अगस्त को शाम 7:00 बजे कल्याण ज्वैलर्स और उसके लाइफस्टाइल आभूषण ब्रांड कैंडियर दोनों शोरूम का उद्घाटन करेंगी। इस ब्रांड की वर्तमान में क्षेत्र के सभी प्रमुख बाजारों में मजबूत उपस्थिति है। नए शोरूम में विश्वस्तरीय माहौल में डिज़ाइनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी।

नए शोरूम के बारे में बात करते हुए कल्याण ज्वैलर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रमेश कल्याणरमन ने कहा, एक कंपनी के रूप में हमने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं और अपने ग्राहकों के खरीदारी अनुभव को बेहतर बनाने के लिए हर जतन करते हुए लगातार एक बेजोड़ इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं। मध्यप्रदेश कल्याण ज्वैलर्स के लिए एक प्रमुख बाजार बना हुआ है, और हमने पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में रणनीतिक रूप से अपना विस्तार किया है। हमें विश्वास है कि रीवा में आने वाला शोरूम बाजार में हमारी उपस्थिति को और मजबूत करेगा, साथ ही हमारे मूल्यवान ग्राहकों को अधिक सुविधा और पहुंच प्रदान करेगा। हम कंपनी के विश्वास और पारदर्शिता के मूल मूल्यों के प्रति सच्चे रहते हुए अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ खरीदारी की पेशकश जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लॉन्च का जश्न मनाने के लिए, कल्याण ज्वैलर्स ने 0 प्रतिशत मेकिंग चार्जेस की पेशकश की है। साथ ही, कंपनी के सभी शो–रूम्स पर लागू कल्याण स्पेशल गोल्ड बोर्ड रेट (बाज़ार में सबसे कम और मानकीकृत दर) का लाभ इन ज्वैलरी खरीदों पर भी मिलेगा। ये ऑफ़र सीमित समय के लिए मान्य होंगे।

कल्याण ज्वैलर्स में बिकने वाली सारी ज्वैलरी बीआईएस हॉलमार्क्ड है और कई स्तर की शुद्धता जाँच से गुज़रती है। ग्राहकों को मिलेगा कल्याण ज्वैलर्स 4–लेवल एश्योरेंस सर्टिफिकेट, जिसमें शुद्धता की गारंटी, आभूषणों का मुफ्त लाइफटाइम मेंटेनेंस, विस्तृत प्रोडक्ट जानकारी और पारदर्शी एक्सचेंज व बाय–बैक नीतियाँ शामिल हैं। यह प्रमाणपत्र ब्रांड की अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस शोरूम में कल्याण ज्वैलर्स के लोकप्रिय घरेलू ब्रांड भी उपलब्ध होंगे, जिनमें मुहूर्त (शादी के आभूषणों की श्रृंखला), मुद्रा (हस्तनिर्मित प्राचीन आभूषण), निमाह (मंदिर के आभूषण), ग्लो (डांसिंग डायमंड्स), जिया (सॉलिटेयर जैसे हीरे के आभूषण), अनोखी (बिना कटे हीरे), अपूर्वा (विशेष अवसरों के लिए हीरे), अंतरा (शादी के हीरे), हेरा (रोजाना पहने जाने वाले हीरे), रंग (कीमती पत्थरों के आभूषण) और हाल ही में लांच की गई लीला (रंगीन पत्थर और हीरे के आभूषण) शामिल हैं।

पटवारी पर नामांतरण के लिए 5 हजार मांगने का आरोप

पीड़ित किसान ने कलेक्टर से की शिकायत, कहा-पहले ही 1 हजार रुपए दिए

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के चुरहट तहसील में एक पटवारी पर रिश्वत मांगने का आरोप लगा है। पुतरिहा गांव के किसान छोटेलाल पटेल (65) ने उकरहा गांव के पटवारी आकाश सिंह पर 5 हजार रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को उन्होंने कलेक्टर से मामले की शिकायत की है।

किसान बोले–पहले ही दिए 1 हजार रुपए: किसान छोटेलाल पटेल ने बताया कि आठ महीने पहले जमीन खरीदी थी। नामांतरण के लिए मैंने सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए। नामांतरण का आदेश भी पारित हो चुका है। हमने पटवारी को पहले ही 1 हजार रुपए दे दिए हैं। पटवारी आकाश सिंह अब 4 हजार रुपए और मांग रहा है। मेरे पास इतने पैसे नहीं हैं। इसलिए पटवारी ने नामांतरण का काम रोक दिया है।

पटवारी बोले– राजस्व का मामला, कोई टिप्पणी नहीं कर सकते: वहीं मामले में जब पटवारी आकाश सिंह से बात की गई तब उन्होंने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं आपको कुछ भी बयान नहीं दे, सकता यह राजस्व का मामला है।

कलेक्टर ने जांच का दिया आश्वासन: शुक्रवार को छोटेलाल पटेल ने जिला कलेक्टर स्वारोचिष सोमवंशी से मिलकर लिखित शिकायत की। कलेक्टर ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2025-26, विद्यार्थियों के लिए सुनहरा; राष्ट्रीय स्तर पर चयनित को मिलेगी छात्रवृत्ति

आवेंदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विज्ञान भारती, एनसीईआरटी एवं भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा संस्कृति मंत्रालय के एनसीएसएम के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2025–26 प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता कक्षा 6 से कक्षा 11 तक के विद्यार्थियों हेतु निर्धारित है। एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्रा ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय वैज्ञानिकों के उत्कृष्ट शोध कार्यों से अवगत कराना है। प्रतियोगिता के पाठ्यक्रम में 40 प्रतिशत भारतीय ज्ञान विज्ञान एवं महान वैज्ञानिक शांति स्वरुप भटनागर जी की जीवनी पर आधारित होगा, वहीं 60 प्रतिशत भाग विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम एवं सामान्य ज्ञान पर आधारित रहेगा।

यह प्रतियोगिता तीन चरणों, विद्यालय स्तर, राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तरकृपर आयोजित होगी। विद्यालय स्तर पर प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। राज्य स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को 2 हजार रुपये प्रतिमाह की छात्रवृत्ति तथा राष्ट्रीय संस्थाओं में 1 से 3 सप्ताह का शैक्षिक भ्रमण कराने का अवसर मिलेगा।

परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से (मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट या कंप्यूटर) दी जा सकती है। पंजीयन शुल्क प्रति विद्यार्थी 200 रुपये निर्धारित किया गया है। पंजीयन की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2025 तय की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री पवन कुमार सिंह ने जिले के सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि वे विद्यार्थियों को प्रतियोगिता के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करें। यह प्रतियोगिता पूर्णतः स्वैच्छिक है।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का धरना-प्रदर्शन 25 को

रीवा। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) जिला इकाई रीवा की एक महत्वपूर्ण बैठक जिलाध्यक्ष सुग्रीव सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में किसानों के धान भुगतान, खाद समस्या, लंबित मांगों एवं अन्य मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु 25 अगस्त को दोपहर 12 बजे से कलेक्टर कार्यालय रीवा के समक्ष धरना-प्रदर्शन एवं चक्का जाम किया जाएगा।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में कक्षा 6वीं में आवेदन की अंतिम तिथि 27

सीधी। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट सीधी के प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी ने बताया कि सत्र 2026–2027 के लिए कक्षा छठवीं में अभी तक 3226 आवेदन भरे गए हैं। जिसमें छात्रों की संख्या 57.50 प्रतिशत और छात्राओं की संख्या 42.50 प्रतिशत है। शासन की मंशानुसार बालिकाओं का आवेदन भी 50 प्रतिशत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। नवोदय विद्यालय में बालिकाओं को पूर्णतः नि:शुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ–साथ सेल्फडिफेंस, योगा, संगीत, कम्प्यूटर इत्यादि की शिक्षा दी जाती है। सीधी जिले की कक्षा 5वीं में अध्ययनरत बालिकाए इस लिंक से 27 अगस्त तक आवेदन भर सकती हैं।

सरपंच, सचिव, वाल्व ऑपरेटर की एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश जल निगम पीआईयू सीधी के द्वारा मझौली ग्रामीण समूह जलप्रदाय योजना अंतर्गत आज दिनांक 22–08–2025 को जनपद पंचायत मझौली के 18 ग्राम पंचायतों के 25 ग्रामों के लिए पंचायत दर्पण पोर्टल के माध्यम से जलकर भुगतान हेतु प्रशिक्षण, वाल्व ऑपरेटर के दायित्व एवं ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समिति के पदेन सरपंच सचिव,जनपद पंचायत के सभाकक्ष में जनपद पंचायत मझौली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अध्यक्षता एवं महाप्रबंधक जल निगम के निर्देशन में आयोजित की गई।

बैठक में ग्राम पंचायत, ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समिति के सरपंच,सचिव, वाल्वमैन को प्रशिक्षण दिया गया। बैठक में पीआईयू कार्यालय से महाप्रबंधक जल निगम , प्रबंधक जनसहभागिता, एसक्यूसी टीम द्वारा उपस्थित सचिवों को अपनी–अपनी पंचायतों में जलकर राशि वसूली, पंचायत दर्पण पोर्टल द्वारा जल निगम को बल्क जल प्रभार राशि के रूप में जमा कराने सहित पेयजल सप्लाई को सुचारू रूप से संचालन–संधारण एवं प्रबंधन के संबंध में पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि सरपंच सचिव पेयजल का समुचित प्रयोग, पेय जल व्यर्थ न करने एवं जलकर राशि का भुगतान नियमित रूप से समय पर करने एवं ग्राम पेयजल स्वच्छता समिति की नियमित बैठक का आयोजन एवं योजना के संचालन में सहयोग प्रदान करें।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म – K D S CONSTRUCTION CO, पता – 11/243, पंजीकरण क्रमांक–05/22/08/00075/07 बजरंग नगर, तहसील– हुजूर, जिला रीवा (म.प्र.) – 486001 की भागीदारी में परिवर्तन किया गया है।

दिनांक 19–07–2025 से –

1. श्री रघुवंश प्रसाद तिवारी एवं श्री त्रिवेणी प्रसाद मिश्रा फर्म से अलग हो गए हैं।
2. ज्योत्स्नांगी शुक्ला फर्म में नए भागीदार के रूप में सम्मिलित हो गई हैं।

अत: यदि किसी को इस संबंध में आपत्ति हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के भीतर आपत्ति दर्ज कर सकते हैं।

केंद्र 'पुलिस स्टेशन' नहीं

संपादकीय

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संविधान के 130वें संशोधन वाले विधेयक लोकसभा में पेश किए। उनमें गंभीर और विवादास्पद प्रावधान किए गए हैं। दरअसल संविधान का बुनियादी सिद्धांत है कि जब तक किसी आरोपित को अदालत अपराधी या दोषी करार न दे, तब तक आरोपित व्यक्ति 'मासूम' है, 'निर्दोष' है, लेकिन प्रस्तावित बिल का विषय है कि कोई प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्य सरकार का मंत्री 30 दिन हिरासत में रहता है, तो 31वें दिन वह संवैधानिक पद के 'अयोग्य' हो जाएगा। उसे इस्तीफा देना पड़ेगा अथवा बर्खास्त कर दिया जाएगा। इन प्रावधानों को विपक्ष ने संविधान-विरोधी, न्याय-विरोधी और मौलिक अधिकार-विरोधी करार दिया है, लिहाजा कुछ विपक्षी सांसदों ने बिल की प्रतियां फाड़ी हैं और उन्हें सत्ता पक्ष की तरफ फेंका है। इसे 'राक्षसी बिल' भी करार दिया गया है। गृहमंत्री की दलील है कि यह बिल सरकार और राजनीति में नैतिकता और शुद्धिकरण के मद्देनजर लाया गया है। यह अर्द्धसत्य है, क्योंकि भाजपा में ऐसे कई नेता शामिल किए गए, जिन पर गंभीर आपराधिक मामले चल रहे थे, लेकिन बाद में एजेंसियों ने उन्हें धूमिल कर दिया। ऐसे नेता मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक हैं। बहरहाल संसद में हंगामे और विरोध को देखते हुए संविधान संशोधन बिल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने की घोषणा की गई। समिति में 21 सांसद लोकसभा और 10 सांसद राज्यसभा के होंगे। बेशक अधिक सांसद सत्ता पक्ष के होंगे, लिहाजा बुनियादी बिल में ज्यादा संशोधनों की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। जेपीसी को संसद के शीत सत्र के पहले दिन तक रपट सौंपने को कहा गया है। विषय का विश्लेषण करने से पूर्व एडीआर की रपट गौरतलब है कि 2024 के संसदीय चुनाव में जो सांसद लोकसभा के लिए चुने गए थे, उनमें से करीब 46 फीसदी पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2009 में यह औसत 30 फीसदी था। सर्वोच्च अदालत के 'न्यायालय मित्र' ने उसे बताया है कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ करीब 5000 आपराधिक मामले अब भी लंबित हैं। इस डाटा के मद्देनजर भी ऐसा संविधान संशोधन बिल संसद में पेश करना अपेक्षित और स्वीकार्य नहीं है। दरअसल केंद्र और राज्य सरकारों की अलग-अलग भूमिकाएं संविधान में तय की गई हैं। उनके अधिकार भी तय किए गए हैं। संघीय ढांचे पर आघात नहीं किया जा सकता। केंद्र सरकार 'पुलिस स्टेशन' की भूमिका में नहीं आ सकती। संभव है कि बिल बनाते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल का उदाहरण केंद्र सरकार और अधिकारियों के मानस में रहा होगा! केजरीवाल को 177 दिन तक जेल में रखा गया। उनके खिलाफ न तो आरोप अदालत में तय हुए और न ही किसी अदालत ने उन्हें 'दोषी' करार दिया। ऐसे कानूनों में संशोधन किया जाना चाहिए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 5 माह तक जेल में बंद रखा गया। अंतत- उन्हें जमानत मिली, लेकिन आज तक उनके खिलाफ कोई भी आरोप साबित नहीं किया जा सका है। दिल्ली सरकार के मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन को 2 साल से अधिक समय तक जेल में रखा गया। अंतत- सीबीआई ने उनके मामले में क्लोजर रपट अदालत में पेश की और जैन को बिल्कुल बरी कर दिया गया। इन जेलबंद नेताओं की 'निर्दोषता' की भरपाई कौन करेगा? केजरीवाल ने जेल में रहते हुए मुख्यमंत्री पद नहीं छोड़ा और जेल से ही सरकार चलाते रहे।

जुबानी जमाखर्च से क्रांति

सुरेश सेठ

दिन पर दिन बीतते चले जा रहे हैं। जीवन मरुस्थल हो गया है। उसमें रोजी, रोटी के इन नखलिस्ताओं की तलाश वह अधूरी कहानी हो गई, कि जिसका अंत पा लेना लिखने वाले के भाग्य से नहीं बंधा रहता। जीवन एक लंबी कतार के उस आखिरी आदमी सा होकर रह गया, जिसके भाग्य में उस कतार का आगे सरकना नहीं लिखा होता। मंजिल पा लेने की बात तो बहुत दूर की है। देखते ही देखते इतने बरस हो गए। सूरज और चांद से क्या फरियाद करते, हमारे फुटपाथी जीवन के घुप्प अंधेरे में तो वे कभी झांकने भी नहीं आए। सुना है, उन्हें ऊंचे प्रासादों के गोदाम घर में कैद कर दिया गया है। अब इन गोदामों के लौह द्वारों पर तो इतने बड़े-बड़े ताले जड़े रहते हैं। फुटपाथों पर आंधी आए, तूफान आए, बादल फटे, बिजली गिरे, इन गोदाम घरों की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता। महामारी भूख, बेकारी और बीमारी बन कर गिरती है तो उन फटेहाल लोगों की लंबी कतार पर, जिससे उनकी कार्य संस्कृति छीन कर खैरात संस्कृति भेंट कर दी गई है। लेकिन हर महामारी में, हर आपदा में ऊंचे प्रासादों का माथा और भी ऊंचा होता चला जाता है। करोड़पति अरबपति हो जाते हैं, और अरबपति खरबपति। आर्थिक विकास के आंकड़े इन धनियों के प्रांगण में धमाचौकड़ी मचाते हैं, और फटीचर लोगों का दुखांत महंगाई, बेकारी और भ्रष्टाचार का दर्जा बढ़ाने के सूचकांकों में दिखाई देता है। लेकिन इन्हें कभी-कभी इन आर्तनाद करते हुए लोगों की याद भी आ जाती है। पिछले बरसों में इन लोगों के जीने की भीख के लिए गिडग़ड़ाती हुई भीड़ जिंदगी के हर चौराहे पर बढ़ती हुई नजर आने लगी है। चंद बातूनी लोग अपने-अपने सपनों का बायोस्कोप लेकर इनके जमावड़े में चले आते हैं। इनमें जो सबसे अधिक वाचाल होता है, उसे ही सबसे बड़ा मीरे कारवां माना जाता है।

इस भीडग्रस्त देश की जनसंख्या का बढऩा तो चूहों की रेल-पेल को भी मात कर गया। और इस शहर के राजकुमार क्योंकि हर पांच बरस के बाद चुने चाते हैं, इसलिए जादू भरे सपनों की धुन बजाने वाले न जाने कितने बांसुरी वाले वहां चले आए। नव प्राण की आस लगाए चूहों ने उन्हें घेर लिया। हर बांसुरी बजाने वाला एक नई टेर के साथ बांसुरी बजाता है और दूसरे वादक को झूठा और बनावटी करार देता है। देखो, इन्होंने पांच बरस पहले जिन वायदों के एजेंडे के साथ कुर्सी हथियाई थी, उनमें से तो एक भी पूरा नहीं हुआ। सवाल तो कुर्सी पर चेहरा बदलने का है। क्योंकि हमें इस बार मौका दे दो। हमारी बांसुरी सुनो, वह अधिक मीठे सुर में सपनों का बागीचा सजाती है। चूहे हों या आदमी, सपनों से भ्रमित हो जाने का लोभ किसे नहीं होगा। एक दो नहीं अब तो हर मोचें पर बांसुरियां बज रही हैं। देखो उसने न तुम्हें रोजी दी, न रोटी, बस एक और भी अधिक बीहड़ जीवन भेंट कर दिया, जिसमें आकाश छूती कीमतें हैं, निठल्ले लोगों की बढ़ती हुई संख्या है, और हर कोने में तुम्हारी जेब कुतरने वाले दलालों की बढ़ती भीड़ है। हमने कहा वह आदमी हो या चूहे, जो इन प्रासादों के भीतर नहीं जा पाया, उन सबका भाग्य एक जैसा है। समुद्र किनारे बसे चूहों के उस शहर जैसा, जहां बांसुरी वाला अपनी सपनीली धुन से उन्हें मंत्रमुग्ध करके अपने पीछे चलाता दैन्यता के समुद्र में डुबो देता है, और बताता है लो क्रांति हो गई। हर नई क्रांति की उद्घोषणा अपने खोखले एहसास के साथ उन्हें उसी नौटंकी को देखने के लिए विवश करती है, कि जहां नेता लोग एक दूसरे से कुर्सी छीनने की छीन-झपट में लगे रहते हैं। जो कुर्सी छीन ले गया, या उस पर जमकर बैठा रहा, वही युग प्रवर्त्तक है।

आज हमारे देश में ही नही वरन विदेशों में भी गणेश चतुर्थी आने पर उनकी प्रतिमा स्थापना कर उनकी आराधना करने का चलन सर्व प्रचलित हो चुका है । गाँव गाँव और शहरों में प्रायः हर गली मुहल्ले में साज सजावट और पंडाल बनाकर युवाजन गणेश प्रतिमा की स्थापना बड़े जोशो खरोश और उत्साह से करते हैं। इस अवसर पर अनेक स्थानों में सांस्कृतिक और संगीत कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। यह उत्सव दस दिन चलता है उसके बाद अनंत चतुर्दशी को 'गणपति बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के नारों के साथ गणेश की प्रतिमा को नदी जलाशयों में विसर्जित कर दिया जाता है। श्री गणेश प्रतिमा की स्थापना का इतिहास ज्यादा पुराना नहीं है, आजादी पूर्व जब देश अंग्रेज शासकों की गुलामी में देशवासी सिसक रहे थे।

सभी देवताओं में प्रथमपूज्य वक्रतुण्ड श्रीगणेश

27 अगस्त गणेश चतुर्थी पर्व पर विशेष-

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

सभी देवताओं में प्रथम पूजे जाने का अधिकार विघ्नाशक श्री गणेश के पास है। शंकर पार्वती के कनिष्ठ पुत्र जिनका सर गज का है। इसीलिये इन्हें गजानन भी कहा जाता है। एक बार क्रोध में आकर पिता शंकर ने श्री गणेश का सर ही अपने त्रिशुल से काट डाला था। बाद में अपने ही पुत्र की हत्या करने की जानकारी होने पर भगवान शंकर ने गज का सर जोड़कर गणेशजी को पुर्नजीवन प्रदान किया एवं उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया कि सभी देवताओं और मुझसे भी पहले तुम्हारी पूजा करने में ही बाकी देवताओं की पूजा करने पर सबकी पूजा सार्थक होगी। इस अवसर पर उपस्थित माँ पार्वती एवं अनेक देवताओं ने भी उन्हें अनेक वर देकर अभिभूषित किया। आज हमारे देश में ही नही वरन विदेशों में भी गणेश चतुर्थी आने पर उनकी प्रतिमा स्थापना कर उनकी आराधना करने का चलन सर्व प्रचलित हो चुका है । गाँव गाँव और शहरों में प्रायः हर गली मुहल्ले में साज सजावट और पंडाल बनाकर युवाजन गणेश प्रतिमा की स्थापना बड़े जोशो खरोश और उत्साह से करते हैं। इस अवसर पर अनेक स्थानों में सांस्कृतिक और संगीत कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। यह उत्सव दस दिन चलता है उसके बाद अनंत चतुर्दशी को ÷गणपति बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ÷ के नारों के साथ गणेश की प्रतिमा को नदी जलाशयों में विसर्जित कर दिया जाता है। श्री गणेश प्रतिमा की स्थापना का इतिहास ज्यादा पुराना नहीं है, आजादी पूर्व जब देश अंग्रेज शासकों की गुलामी में देशवासी सिसक रहे थे। चारों ओर अंग्रेजों का आतंक और फूट डालो राज करो की नीति का साम्राज्य व्याप्त था। ऐसी विषम परिस्थितियों में स्वतंत्रता के महान सेनानी ÷बाल गंगाधर तिलक÷ ने इस परम्परा का बीजारोपण किया। उन्होंने सर्वप्रथम गणेश की प्रतिमा की स्थापना कर लोगों के बीच भाईचारे संगठन और एकता का संदेश फैलाने के उद्देश्य से गणेशोत्सव का शुभारंभ किया। यह परम्परा धीरे धीरे बम्बई पुणे से फैलते - फैलते पूरे मराठवाड़ा में फैल गया। उसके बाद जल्दी ही यह सारे राष्ट्र का पर्व बन गया। और अब सारी दुनिया में इसे बड़े उत्साह से स्थापित कर हिन्दूओं द्वारा उत्साह का प्रदर्शन किया जाता है।

वैसे उत्तर भारत में मुख्यतः शिव पार्वती की पूजा ज्यादा प्रचलित हैं, किन्तु दक्षिण में शिव पार्वती के साथ गणेश और उनके अग्रज भ्राता कार्तिकेय की पूजा भी बड़े उत्साह के साथ की जाती है। गणेश जी की पूजा दीपावली में भी लक्ष्मी जी के साथ अनिवार्यतः मानी गई है। वहीं कार्तिकेय की पूजा विजयादशमी के अवसर पर दुर्गा की मूर्ति के साथ स्थापित कर उन्हें पूजा जाता है। गणेशजी अधिकांशतः शुभ और लाभ के अवसर पर स्थान पाते हैं। जिस प्रकार शिव के

अनेक पर्याय व नाम हैं, उसी प्रकार श्रीगणेश की भी अनेक नामों से चर्चा हुई है। उदाहरणार्थ ऋग्वेद संहिता में गणेश की स्तुति इस प्रकार की गई है।

हे ब्रम्हणस्पति, तुम देवों में गणपति और तुम्हारा अन्न सर्वोच्च और अमानभूत है।

तुम प्रशंसनीय लोगों में राजा और मंत्रों के स्वामी हो। हम तुम्हें बुलाते हैं।

तुम हमारी स्तुति सुनकर आश्रय प्रदान करने के लिये यज्ञ ग्रह में बैठो।÷

इस स्तुति में ब्रम्हणस्पति का अर्थ वाक्पति अर्थात वाणी का स्वामी से है। और गणपति का अभिप्राय- है गुणों - का पति । महाहस्ती, एकदंत, वक्रतुण्ड तथा - दन्ती आदि नामों से भी उन्हें पुकारा जाता है। यजुर्वेद में भी गणपति की स्तुति इस प्रकार की गई है।

नमो गणेक्यो गणपतिभ्यश्च

अर्थात गणों को और आप गणपतियों को प्रणाम है। इसके अतिरिक्त यजुर्वेद का यह निम्न मंत्र आज ज्यादा लोकप्रिय हो रहा है।

गणानां त्वां गणपति हबागडे प्रियाणां त्वा प्रियपति हवामहे निधीनां त्वां निधिपति हवाम हे वसो मम।÷

अर्थात हम मनुष्यादि के गण के अधिष्ठाता के रूप में विद्यमान तुम्हारा आह्वान करते हैं। संसार के समस्त पदार्थों में सर्वाधिक प्रिय होने के कारण गज रूप होने के कारण हम आपका आव्हान करते हैं। जिसमें सभी प्राणी निवास करने हैं, ऐसे वसु नामक परमात्मन् आप मेरी भी रक्षा करें। वह स्तुति गणेश के वर्तमान स्वरूप के अधिक निकट बैठती है, क्योंकि आज भी गणेश को विघ्नविनाशक तथा %समृद्धि के रक्षक देवता के रूप में ही माना जाता है।

अनंत चतुर्दशी का पर्व भी हालांकि गणेश पूजा से ही संबंधित है पर इस दिन भगवान विष्णु की कथा सुनी जाती है। इस पर्व (व्रत) के नाम से ही बोध होता है कि यह दिन उस अंतहीन सृष्टि के रचयिता निर्गुण ब्रम्ह की भक्ति का दिवस है। इस दिन भक्तगण अन्य कार्यों को त्याग कर ईश्वर भक्ति में बिताते हैं। इस दिन वेदग्रंथों का पाठ करके भक्ति की स्मृति का डोरा बांधा जाता है, जिसे अनंता कहते हैं। इस व्रत की पूजा दोपहर को की जाती है। इस दिन व्रती लोग स्नान करके कलश की स्थापना करते हैं। कलश पर अष्टदल कमल के समान बने बर्तन में कुशा से निर्मित अनन्त की स्थापना की जाती है। इसके पास कुमकुम, केशर या हल्दी रंजित चौदह गांठों वाला अनंत भी रखा जाता है। कुशा के अनंत की वंदना करके, उसमें विष्णु भगवान का आह्वान तथा ध्यान करके गंध, अक्षत, पुष्प, धूप तथा नैवेद्य से पूजन किया जाता है। इसके बाद अनंत का पुनः ध्यान करके शुद्ध अनंत को अपनी दाहिनी भुजा पर बांधना चाहिये। यहं डोरा भगवान विष्णु को प्रसन्न करने वाला तथा अनन्त फलदायक माना गया है। यह व्रत धन, पुत्रादि की कामना से किया जाता है। इस दिन नवीन सूत्र के अनंत को धारण करके पुराने को त्याग देना चाहिये। इस व्रत का पारण ब्राम्हण को सम्मान व दक्षिणा दे करके करना चाहिये। अनंत की चौदह गांठे चौदह लोगों की प्रतीक है। उनमें अनंत भगवान विद्यमान है। इस व्रत की कथा सामूहिक रूप से परिवार जनों के बीच सुनी जानी चाहिये।

लाश बेकसूर मां की, मौत बहू की, सस्पेंस वारदात की खौफनाक कहानी

फिरोज खान

महाराष्ट्र के पंढरपुर गांव में रात दो बजे एक खेत में लगी आग को देख गांव वाले आग बुझाने दौड़ पड़े, लेकिन वहां पहुंचने पर पता चला कि 26 वर्षीया महिला किरण ने खुद को आग लगाकर खुदकुशी कर ली है। पति को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली है क्योंकि उनके बीच कोई झगड़ा-झंझट नहीं था। किरण की मौत की खबर सुनने के बाद बेटी की ससुराल पहुंचे माता-पिता को शक था कि बेटी ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या की गई है। अब सवाल यह था कि किरण की हत्या किसने और क्यों की? अब कई एंगल से जांच शुरू होने के बाद पुलिस के हाथ एक ऐसा सुराग लगा, जिससे सारा सस्पेंस खुल गया। असल में किरण की लाश के पास उसका मोबाइल मिलने से पुलिस को शक हुआ कि आत्महत्या के दौरान उसने अपना मोबाइल अपने पास क्यों रखा? खैर, कॉल डिटेल निकालने पर पता चला कि सुसाइड से पहले किरण ने कई कॉल अपने देवर को किए थे। खैर, देवर को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर खुलासा हुआ कि उसका उसकी भाभी किरण से नाजायज संबंध था और दोनों घर से भागकर शादी करना चाहते थे इसलिए उन्होंने एक ऐसी प्लानिंग की, ताकि लोगों को लगे कि किरण ने खुदकुशी कर ली है। इसके बाद दोनों दूसरी जगह जाकर शादी कर खुशहाल जीवन बिताएंगे। अब उन्हें किरण की जली हुई लाश दिखाने के लिए एक महिला की तलाश थी और उन्हें एक ऐसी महिला मिल गई, जो अपने गुमशुदा बेटे की तलाश में पागल हो चुकी थी। अब दोनों उस पागल महिला को किसी तरह बहला-फुसलाकर अपने खेत में ले आए और उसका हाथ-पांव बांधकर उस महिला पर मिट्टी का तेल उंडेलकर आग लगा दी। इसके बाद खेत में लगी आग को देखकर गांववालों संग आग बुझाने के लिए किरण का देवर भी भागा था, ताकि किसी को शक न हो, लेकिन किरण के मोबाइल ने सारे खेल की पोल खोल दी।

आसिम मुनीर की हिमाकत और पाकिस्तान की हकीकत

भारत से युद्ध करने जैसे बयान, बलूचिस्तान का मुद्दा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उछालना या रेयर अर्थ मिनरल्स से पाकिस्तान को वैश्विक ताकत बनाने की खुशफहमी, इन सबमें दूरदृष्टि कम और भ्रम ज्यादा है। दरअसल, आसिम मुनीर की सोच हकीकत से ज्यादा 'मुंगेरीलाल के हसीन सपनों' पर टिकी है।

सैयद सलमान मुंबई

पाकिस्तान के मौजूदा हालात में सबसे ज्यादा चर्चा जिस नाम की है, वह है आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर की। वे खुद को देश का 'उद्धारक' मानते हैं, लेकिन उनकी सोच हकीकत से ज्यादा कल्पनाओं पर आधारित दिखती है। अमेरिका एक बार फिर पाकिस्तान को अपने रणनीतिक खेल में मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रहा है और मुनीर इस खेल में अपनी अहम भूमिका समझने की भूल कर रहे हैं।

बर्बादी की वजहः भारत से युद्ध करने जैसे बयान, बलूचिस्तान का मुद्दा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उछालना या रेयर अर्थ मिनरल्स से पाकिस्तान को वैश्विक ताकत बनाने की खुशफहमी, इन सबमें दूरदृष्टि कम और भ्रम ज्यादा है। दरअसल, आसिम मुनीर की सोच हकीकत से ज्यादा 'मुंगेरीलाल के हसीन सपनों' पर टिकी है।

बलूचिस्तान लंबे समय से पाकिस्तान की कमजोरी बना हुआ है। पाकिस्तान भारत पर आरोप लगाता रहा है कि वह बलूच विद्रोहियों को समर्थन देता है। अमेरिका ने बलूच लिबरेशन आर्मी को आतंकी संगठन ठहराया है, जिसे पाकिस्तान सेना भारत के खिलाफ एक नैरेटिव के तौर पर देख रही है। लेकिन सच्चाई यह है कि अमेरिका का यह कदम पाकिस्तान के समर्थन में नहीं, बल्कि उसके भू-रणनीतिक हितों का हिस्सा है। ट्रंप जैसे मूडी नेता कभी-कभी भारत पर दबाव बनाने के लिए पाकिस्तान की ओर झुकाव दिखा सकते हैं, लेकिन यह अस्थाई होता है। पाकिस्तान का यह समझना कि अमेरिका उसकी ओर से भारत को झुका देगा, एक कोरा भ्रम है।

'रेयर अर्थ मिनरल्स' को लेकर भी मुनीर की सोच खोखली

साबित होती है। पाकिस्तान मानता है कि उसकी जमीन, खासकर बलूचिस्तान, खनिज संपदा से इतनी समृद्ध है कि वह इन्हें बेचकर अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकता है। लेकिन खनिजों से लाभ पाने के लिए स्थिर शासन, तकनीकी क्षमता और पारदर्शी नीतियां चाहिएं, जो पाकिस्तान के पास बिलकुल नहीं है। चीन पहले ही ग्वादर और खनिज परियोजनाओं के जरिए पाकिस्तान को कर्ज जाल में जकड़ चुका है। अब पाकिस्तान अमेरिका के चक्रव्यूह में फंस रहा है। आर्थिक रूप से शक्तिशाली बनने की सोच पाकिस्तान का दिवास्वप्न है।

देश के भीतर भी मुनीर को लेकर असंतोष है। इमरान खान को सत्ता से बेदखल करने में फौज की भूमिका ने सेना की तटस्थता की पोल खोल दी है। महंगाई और बेरोजगारी से जूझती जनता समझ चुकी है कि असल सत्ता सेना के हवाले है और उसकी सोच लोकतांत्रिक नहीं है। मुनीर बार-बार भारत-विरोधी बयानों का सहारा लेते हैं ताकि जनता का गुस्सा भटकाया जा सके, लेकिन जनता के बीच अब यह तरीका असर खो चुका है। उनके लिए सेना का राजनीतिक दखल पाकिस्तान की बर्बादी की सबसे बड़ी वजह बन गया है।

आत्मघाति एजेंडाः अमेरिका से रिश्तों को भी पाकिस्तान ने हमेशा गलतफहमी में देखा है। वॉशिंगटन इस्लामाबाद को तभी अहमियत देता है जब अफगानिस्तान जैसे मुद्दों में सहयोग चाहिए या भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना हो। बाकी समय वह पाकिस्तान को आतंकवाद की जड़ बताने से नहीं हिचकता। मुनीर को समझना चाहिए कि अमेरिका का असली निवेश भारत में है, क्योंकि भारत आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से वैश्विक केंद्र बन चुका है। पाकिस्तान का यह मानना कि अमेरिका स्थाई तौर पर उसका साझीदार बनेगा, इतिहास और वर्तमान दोनों के अनुभवों से मेल नहीं खाता।

मुनीर की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि वे जनता के असली मुद्दों महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से बचते हुए हमेशा भारत-विरोध का सहारा लेते हैं। पाक फौज की परंपरा भी यही रही है कि सत्ता पर काबिज रहकर आर्थिक साम्राज्य बढ़ाओ और जनता को नफरत और उन्माद से बहलाओ। मगर यह खेल जितना बढ़ेगा, पाकिस्तान उतना ही गर्त में जाएगा। भारत को दुश्मन बताने की पुरानी पाकिस्तानी आदत और रणनीति उसके लिए आत्मघाती बनती जा रही है।

इतिहास गवाह है कि अमेरिका बार-बार पाकिस्तान का इस्तेमाल कर, बाद में उसे छोड़ भी देता है। आज भी वही सिलसिला जारी है। पाकिस्तान यह मान बैठा है कि भारत-विरोध की मार्फत वह अपने जख्म भर सकेगा, लेकिन असलियत यह है कि यह नफरत उसकी समस्याओं को और गहरा करेगी। अगर आसिम मुनीर और पाक हुकूमत ने यथार्थ को पहचानने की सूझबूझ नहीं दिखाई तो राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक बदहाली और जनता का गुस्सा लगातार बढ़ता जाएगा।

पाकिस्तान की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि उसके नेता और सेना अभी भी बीते दौर की गलतियों को दोहराने को तैयार बैठे हैं। अगर वो अमेरिका का मोहरा बने रहकर भारत-विरोधी एजेंडे पर टिके रहेंगे तो यह आत्महत्या से कम नहीं होगा। पाकिस्तान को अपने भीतर झांकना चाहिए और समझना चाहिए कि उसकी वास्तविक प्रगति दुश्मनी से नहीं, केवल लोकतंत्र, स्थिरता और जनता की भलाई पर ध्यान देने से होगी। ऐसे में सवाल यह है कि आसिम मुनीर इतिहास से सबक लेने की क्षमता रखते भी हैं या फिर वही बीते दौर की पुनरावृत्ति करने जा रहे हैं?

कांग्रेस का 'वोट चोरी' के खिलाफ बड़ा आंदोलन शामिल हो सकते हैं प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, ब्लॉक प्रभारियों की नियुक्ति भी संभव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर लगे 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन छेड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यह आंदोलन इस महीने के अंत में आयोजित किया जा सकता है।खास बात यह है कि आंदोलन में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के शामिल होने की भी खबर है। हालांकि फिलहाल पार्टी की ओर से आधिकारिक तारीख का ऐलान नहीं किया गया है।

ब्लॉक प्रभारियों की नियुक्ति भी संभव :सूत्रों के मुताबिक, आंदोलन की तैयारियों के साथ ही कांग्रेस संगठनात्मक स्तर पर भी मजबूती की दिशा में कदम बढ़ा सकती है। आंदोलन की तारीख के साथ ही ब्लॉक प्रभारियों की नियुक्ति की घोषणा की संभावना है।

तारीख का ऐलान जल्द :प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की की ओर से आंदोलन की रूपरेखा और तारीख जल्द घोषित की जाएगी। मिली जानकारी के मुताबिक 29 को आंदोलन बिलासपुर में आयोजित किया जा सकता है। फिलहाल पार्टी की ओर से कार्यक्रम स्थल का चयन किया जा रहा है। जल्द ही आंदोलन की रुपरेखा तय की जाएगी।

राज्यपाल से मिले स्कूल बच्चे, विद्यार्थियों से उनके सपनों और हॉबी पर हुई चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका से आज शुक्रवार को राजभवन में रेयान इंटरनेशनल स्कूल रायपुर के विद्यार्थियों ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर डेका ने बच्चों को जीवन और कैरियर में सफलता पाने के लिए मार्गदर्शन दिया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। विद्यार्थियों ने राज्यपाल की बातों को पूरे उत्साह से सुना।राज्यपाल ने विद्यार्थियों से उनके सपनों और हॉबी पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अनुशसान और धैर्य सफलता की कुंजी हैं। यदि किसी परीक्षा में सफलता न मिले तो उसके विकल्प तैयार रखें। विद्यार्थी यूपीएससी की परीक्षा देना चाहते है उसके लिए पूरी लगन के साथ तैयारी करें लेकिन अन्य विकल्पों पर भी ध्यान दें।डेका ने कहा कि, हर विद्यार्थी को अपनी हॉबी विकसित करना चाहिए क्योंकि यह व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होते है। एक छात्रा ने संगीत से जुड़े अपने हॉबी का जिक्र किया। इस पर राज्यपाल ने कहा कि संगीत जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, इसमे विज्ञान भी निहित है। विद्यार्थियों ने जब राजनीति के बारे में पूछा तो राज्यपाल ने कहा कि अच्छे लोगों को राजनीति में आना चाहिए।उन्होंने कहा कि चुनौतियों का समाधान करने के लिए सही समय पर सही निर्णय लेना जरूरी है और गुस्से में कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। उन्होंने अनुभव, तर्कशक्ति और निर्णय क्षमता को जीवन में सफलता के लिए अहम बताया।डेका ने कहा कि सतत् विकास सबसे जरूरी विषय है। हमें अपनी पृथ्वी और पर्यावरण को बचाने के लिए काम करना होगा। अपने वातावरण को स्वच्छ रखना होगा। छत्तीसगढ़ में 45 प्रतिशत वन क्षेत्र है यह बात उन्हें बहुत प्रभावित करती है।राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि, वे मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करें और टॉपर बनने का लक्ष्य रखें। उन्होंने बताया कि इस वर्ष के बोर्ड परीक्षाओं के टॉपर विद्यार्थियों को उनके द्वारा 5 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि भी दी गई है। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्य धनेश्वरी शर्मा, मैनेजर एवं अन्य स्टॉफ के साथ विद्यार्थियों को राजभवन का भ्रमण भी कराया गया।

छत्तीसगढ़ में 166 महतारी सदन की स्वीकृति, 25 सौ वर्गफुट में बनेगा महतारी सदन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से महतारी सदन का निर्माण कार्य किया जाएगा।उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयास से 166 महतारी सदन की स्वीकृति आदेश जारी किया गया है, इसके लिए 49 करोड़ 80 लाख रुपये की स्वीकृति जारी की गई है।उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, न्यू इंडिया के ग्रोथ साइकल में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत अभियान महिलाओं की क्षमता को देश के विकास के साथ जोड़ रहा है। प्रदेश के ग्राम पंचायतों में बनने जा रहा महतारी सदन भी इसी दिशा में एक प्रयास है।उन्होंने कहा कि लगातार ग्राम भ्रमण के दौरान महिलाओं द्वारा बैठने की स्थान न होने की शिकायत की और बैठने हेतु स्थान दिलाने की मांग की जाती रही इसलिए महतारी सदन बनाने का विचार आया। ततपश्चात महिलाओं को रोजगार दिलाने और उनको काम काज के लिए स्थान उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार गांवों में महतारी सदन बनाने जा रही है। अब तक 368 महतारी सदन की स्वीकृति इसी उद्देश्य को पूर्ति के लिये जारी किया गया है। कार्यों में एकरूपता के दृष्टिकोण से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्य का एक मानक डिजाईन एवं प्राक्कलन तैयार किया गया है।

रायपुर में महिलाओं ने एक-दूसरे को जड़े थप्पड़

युवक बोला-36 भाई हैं, 36 टुकड़े कर देंगे, गणेश पंडाल में साउंड बॉक्स को लेकर विवाद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। रायपुर के खम्हारडीह में गणेश पंडाल पर साउंड बॉक्स को लेकर 2 समितियों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को जमकर थप्पड़ जड़ दिए। मारपीट के बीच एक युवक ने भी महिला को थप्पड़ मारा, जिससे वह बेसुध होकर जमीन पर गिर गई। युवक ने महिला को धमकी दी कि 36 भाई हैं, 36 टुकड़े कर देंगे। घटना का वीडियो भी सामने आया है।यह पूरा मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र के कचना रोड स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का है। गुरुवार रात 9:30 बजे कॉलोनी के 2 अलग-अलग समितियों के बीच विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि यह विवाद गणेश प्रतिमा स्थापना के लिए सामान को लेकर हुआ था। दरअसल, कॉलोनी के लोग साउंड बॉक्स, तिरपाल, कुर्सी बर्तन एक जगह पर रखते हैं। इन्हीं सामानों के बंटवारे के दौरान दोनों समितियों के सदस्यों के बीच साउंड बॉक्स को लेकर बहस शुरू हो गई।

महिलाएं आपस में भिड़ी, एक दूसरे को जड़े थप्पड़ :दो समितियों के सदस्यों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला हाथापाई तक पहुंच गया। कॉलोनी के लोगों ने इस मारपीट का वीडियो बना लिया। इस वीडियो में साफ दिख रहा है कि महिलाएं एक-दूसरे को थप्पड़ मार रही हैं।

झगड़े के दौरान उनके बीच काफी गाली-गलौज भी हुई और वे एक-दूसरे को जान से मारने की धमकी देने लगीं। इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

युवक के थप्पड़ जड़ते ही जमीन पर गिरी महिला :इस मारपीट के वीडियो में देखा जा सकता है कि एक युवक गुस्से में अचानक आगे आता है। फिर वह एक महिला से बहस करने लगता है। बहस के दौरान युवक ने महिला को जोर से थप्पड़ मार दिया, जिससे वह जमीन पर गिर पड़ी। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने महिला को उठाया और बीच-बचाव कर झगड़ा शांत कराया।

पुलिस थाने में 2 FIR दर्ज : इस मामले में पुलिस ने 2 अलग-अलग लोगों की शिकायत पर FIR दर्ज की है। पहले अंजलि भास्कर ने FIR दर्ज कराई है। उसने बताया कि समिति की मीटिंग के दौरान कॉलोनी में रहने वाले अमरेश चतुर्वेदी, अजय चतुर्वेदी और अजीत चतुर्वेदी नशे की हालत में वहां पहुंचे।उन लोगों ने गाली-गलौज और मारपीट की। साथ ही, धमकी दी कि हम 36 भाई हैं, 36 टुकड़े कर देंगे। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्रभा साहू समेत अन्य लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की है।वहीं दूसरी FIR प्रभा साहू ने दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया कि कॉलोनी में गणेश समितियों के बीच सामान के बंटवारे को लेकर बातचीत हो रही थी। इसी दौरान साउंड बॉक्स को लेकर विवाद हो गया।इस झगड़े में अंजलि भास्कर, रीना घोष और ज्योति निषाद ने गाली-गलौज की और मारपीट भी की। पुलिस ने प्रभा की शिकायत पर इन महिलाओं के खिलाफ भी FIR दर्ज कर ली है।

कर्मचारियों का कलम-कार्यालय बंद आंदोलन, कामकाज ठप

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले आज शुक्रवार से कलमबंद-कार्यालय बंद आंदोलन शुरू हो गया है, जसिका पहले ही दिन व्यापक असर दिखाई दिया। राजधानी स्थित इंद्रावती भवन से लेकर प्रदेशभर के सरकारी दफ्तरों में कामकाज पूरी तरह ठप रहा। यूनिवर्सिटी और स्थानीय निकायों में भी सन्नाटा पसरा रहा।फेडरेशन ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर यह बेमुद्दत आंदोलन शुरू किया है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में केंद्र सरकार के समान महंगाई भत्ता (डीए), डीए एरियर्स का भुगतान, चार स्तरीय समयमान वेतनमान, पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करना, पंचायत सचिवों का शासकीयकरण, संविदा और अनियमित कर्मचारियों का नियमितीकरण तथा सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने जैसे मुद्दे शामिल हैं।फेडरेशन अध्यक्ष कमल वर्मा ने आंदोलन को लेकर कहा कि यदि सरकार ने समय पर मांगों पर संज्ञान नहीं लिया, तो 30 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की जाएगी। धरना स्थलों पर बड़ी संख्या में कर्मचारी जुटकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। इंद्रावती भवन में फिर से तालाबंदी जैसी स्थिति बन गई है। इससे पहले कांग्रेस शासनकाल में भी इसी तरह की बेमुद्दत हड़ताल 17 दिनों तक चली थी, जिसने पूरे प्रशासनिक कामकाज को ठप कर दिया था।

राज्यपाल डेका बने छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में टीबी मरीजों के 'निक्षय मित्र'

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत राज्यपाल रमेन डेका ने एक मिसाल कायम करते हुए राज्य के सभी 33 जिलों में उपचाररत कुल 330 टीबी मरीजों, प्रत्येक जिले से 10 मरीजों को 'निक्षय मित्र' बनकर गोद लिया है। राज्यपाल द्वारा मरीजों को उपचार अवधि में पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने हेतु प्रत्येक मरीज को प्रतिमाह 500 रुपये की अनुदान राशि संबंधित जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रदान की जा रही है। डेका ने 31 जुलाई 2024 को छत्तीसगढ़ के 10वें राज्यपाल के रूप में पदभार ग्रहण किया था। पदभार ग्रहण करने के पश्चात जिलों के प्रवास के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री जी के 'टीबी मुक्त भारत अभियान' को गति प्रदान करने की पहल की। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें कर अभियान की प्रगति की जानकारी ली तथा मरीजों से सीधा संवाद कर उन्हें नियमित दवा और पोषण आहार के महत्व से अवगत कराया।इस क्रम में उन्होंने सर्वप्रथम राजनांदगांव, बस्तर, धमतरी और गरियाबंद जिलों के टीबी मरीजों को गोद लिया था। तत्पश्चात अपने कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने से पूर्व ही उन्होंने शेष सभी जिलों में भी मरीजों को गोद लेकर अंतिम 33वें जिले कोंडागांव तक यह प्रक्रिया पूरी की और ऐसा करने वाले वह देश के प्रथम राज्यपाल बन गए।राज्यपाल डेका ने उद्योगपतियों, समाजसेवी संगठनों राइस मिल एसोसिएशन एवं आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे आगे आकर 'निक्षय मित्र' बनें और टीबी मरीजों को गोद लेकर इस जनआंदोलन का हिस्सा बनें।

अंबिकापुर स्ट्रेचर प्रकरण पर स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश के बाद जांच और कार्रवाई तेज

मीडिया ऑडीटर, अंबिकापुर (निप्र)। अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक महिला मरीज को बिना स्ट्रेचर एवं उचित व्यवस्था के ले जाने का मामला सामने आने के बाद पूरे प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हुआ, जिसके बाद स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने तत्काल संज्ञान लिया।

मंत्री ने घटना को गंभीर मानते हुए विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और तुरंत जांच के आदेश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मरीजों की देखभाल और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और ऐसी लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस संबंध में संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं सरगुजा संभाग ने मेडिकल कॉलेज अधीक्षक को निर्देशित किया है कि वे तत्काल जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। वहीं अस्पताल प्रशासन ने नर्सिंग स्टाफ की जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। संबंधित कर्मचारियों से लिखित स्पष्टीकरण भी तलब किया गया है।

अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि इस घटना से मिली सीख के बाद मरीजों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अस्पताल में स्ट्रेचर, व्हीलचेयर और अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने चेतावनी दी है कि मरीजों की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही करने वाले जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अस्पताल व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए गए हैं।

रायपुर में 57 लाख का हेरोइन पकड़ाया 2 लड़कियों समेत 6 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। राजधानी रायपुर में वीडियो और लोकेशन शेयरिंग के जरिए से हेरोइन का सिंडिकेट चलाने वाले गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सप्लायर, डिस्ट्रीब्यूटर सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर हेरोइन सहित 57 लाख का माल जब्त किया है। यह मामला कबीरनगर थाना क्षेत्र की है।दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि हीरापुर स्थित वेदांत वाटिका के पास एक व्यक्ति हेरोइन के साथ ग्राहक की तलाश कर रहा है। जिस पर पुलिस ने घेराबंदी कर मनमोहन सिंह संधू उर्फ जग्गू को गिरफ्तार किया। पूछताछ में जग्गू ने बताया कि वह पंजाब के एक तस्कर से हेरोइन लेता है और उसे अपने डिस्ट्रीब्यूटर विजय मोटवानी, भूषण शर्मा को देता है।

टीम बनाकर बाकी लोगों को पकड़ा गया :इसके बाद पुलिस ने विजय मोटवानी और भूषण शर्मा को भी गिरफ्तार किया। पूछताछ करने पर चला कि वह बाकी लोगों को भी बेचा था। जिस पर पुलिस ने टीम बनाकर अन्य चार लोगों को गिरफ्तार किया। जिसने कब्जे से 273.19 ग्राम हेरोइन सहित 57 लाख का माल बरामद किया है।आरोपियों के खिलाफ कबीरनगर थाने में धारा 21बी, 21(सी), 29 नारकोटिक एक्ट और 111 बीएनएस के तहत केस दर्ज किया है। अब तक पुलिस ने अलग-अलग मामलों में 34 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से खुदरा मूल्य लगभग 01 करोड़ 57 लाख मूल्य के हेरोइन को जब्त किया है।

शराब के लिए पैसे मांगे, नहीं मिले तो की मारपीट : खरोरा में 3 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। रायपुर के खरोरा पुलिस ने शराब पीने के लिए पैसों की मांग कर मारपीट करने वाले 3 युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से एक बाइक और बटनदार चाकू बरामद किया गया है। यह घटना 20 अगस्त की है। वहीं खरोरा पुलिस ने मंगलवार को हनुमान मंदिर के पास से दो युवकों को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 4.494 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है, जिसकी कीमत 80 हजार रुपए आंकी गई है।

केस- 1 :पहला मामला खरोरा थाना क्षेत्र के सारागांव का है। जहां 20 अगस्त की शाम बालाजी पेट्रोल पंप एक युवक पेट्रोल भरवाने गया था, तभी मनीष वर्मा (20), भूपेश धीवर (20) और मासूम वर्मा (21) वहां पहुंचे। तीनों ने उससे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। मना करने पर उन्होंने गाली-गलौज की।इसके बाद आरोपियों ने पेट्रोल पंप कर्मचारी से भी पैसे मांगे। उनके मना करने पर आरोपियों ने चाकू निकालकर धमकाया। आरोपियों ने पीड़ित को मुक्कों से मारा और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने 21 अगस्त को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।आरोपियों के खिलाफ धारा 119(1), 296, 115(2), 351(2), 3(5) और आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

केस- 2 :दूसरा मामला खरोरा थाना क्षेत्र का ही है। हनुमान मंदिर के पास से दो युवकों को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 4.494 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है, जिसकी कीमत 80 हजार रुपए आंकी गई है।थाना प्रभारी केके कुशवाहा के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों में विनोद सुनमोंगरी (29) और सुशील श्रीवास (35) शामिल हैं। विनोद वार्ड नंबर 3 का रहने वाला है, जबकि सुशील वार्ड नंबर 8 में रहता है। 20 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली थी कि वार्ड 8 स्थित हनुमान मंदिर के पास दो व्यक्ति गांजा रखे हुए हैं।

दो पैकेट गांजा बरामद : सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। उनके पास से एक भूरे रंग का चैन वाला बैग मिला। इसमें भूरे टेप में लिपटे दो पैकेट गांजा बरामद हुए। पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में गांजा जब्त किया। आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक एक्ट की धारा 20बी के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

उज्जैन पुलिस ने बनाया अनोखा वायरलेस सिस्टमः अब एक चैनल पर जुड़े शहर और गांव के थाने, कुभ में नेटवर्क जाने पर भी करेगा काम

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन पुलिस टीम ने देसी जुगाड़ से एक डिवाइस तैयार किया, जिसकी मार्केट कीमत करीब 5 लाख रुपए है, लेकिन इसे मात्र 2ङ्क3 हजार रुपए में बना लिया गया। इस डिवाइस से अब गांव और शहर के सभी थाने एक ही वायरलेस सिस्टम से जुड़ गए हैं। यह तकनीक प्रदेश में पहली बार उज्जैन में लागू हुई है और 2028 के महाकुंभ में यह पुलिस की बड़ी ताकत साबित होगी।

अलग-अलग फ्रीक्वेंसी से मिली राहत : अब तक पुलिस को शहर और देहात के वायरलेस सेट अलग-अलग फ्रीक्वेंसी पर चलाने पड़ते थे। ग्रामीण इलाकों में नेटवर्क की समस्या रहती थी और आपात स्थिति में समय पर सूचना देना मुश्किल हो जाता था। इस परेशानी को दूर करने के लिए उज्जैन पुलिस ने भोपाल पुलिस के एक्सपर्ट्स के साथ मिलकर रेडियो संचार तकनीक में सुधार किया। नई डिवाइस ने डिजिटल और एनालॉग सिस्टम को जोड़कर सभी थानों और चौकियों को एक ही चैनल पर ला दिया। अब कंट्रोल रूम से दी गई सूचना एक साथ पूरे जिले में सुनी जा सकेगी।

200 रेडियो स्टाफ को विशेष ट्रेनिंगः एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि उज्जैन 2016 कुंभ और प्रयागराज कुंभ का अध्ययन करने के बाद इस डिवाइस को विकसित किया गया। 2028 में उज्जैन में होने वाले महाकुंभ के दौरान 150 किलोमीटर तक का कम्युनिकेशन एक ही चैनल पर संचालित होगा।

उन्होंने बताया कि यह तकनीक पूरे मध्यप्रदेश में केवल उज्जैन में उपलब्ध है और इसे जल्द ही प्रदेश की सीमा तक बढ़ाने की योजना है। अगर महाकुंभ के दौरान मोबाइल नेटवर्क ठप भी हो गया, तब भी यह सिस्टम काम करेगा। इसके लिए 200 रेडियो स्टाफ को विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। अ जिनसे पूछताछ चल रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

मामूली खर्च में तैयार हुआ सिस्टम : इस डिवाइस की सबसे बड़ी खासियत इसका कम खर्च है। अगर इसे बाजार से खरीदा जाता तो इसकी कीमत करीब 1.85 लाख रुपए से अधिक होती। वहीं, उज्जैन पुलिस ने इसे महज 2ङ्क3 हजार रुपए में तैयार कर दिया। टीम ने पुराने जमाने की कंप्यूटर मोडेम तकनीक का भी उपयोग किया और शहर के थानों में पांच डीएमआर सेट लगाकर सिस्टम को और एडवांस बना दिया। जिम्मेदार एक दूसरे पर जिम्मेदारी ढोल रहे हैं। पुलिस की माने तो 2 गाड़ी से 5 लोग आए थे। पुलिस को कुछ इनपुट मिला है। उसके आधार पर जांच में जुटी है। जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय ने बताया सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है।

पुलिस टीम की अहम भूमिका : इस उपलब्धि के पीछे एएसआई राजकुमार मिश्रा और एएसआई लाल सिंह की टीम का विशेष योगदान रहा। साथ ही भोपाल पुलिस मुख्यालय के एआईजी एनके शाक्य, एएसआई लालजी (भोपाल), एएसआई रामकुमार मिश्रा (उज्जैन), आर. गौरव जायसवाल, रामअवतार वर्मा, सरदार गोरे और छगन निनामा ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नवाचार में अव्वल बना उज्जैन : इस नई तकनीक से उज्जैन पुलिस ने पूरे प्रदेश में अपनी अलग पहचान बना ली है। अब शहर और देहात के थाने एक ही नेटवर्क से जुड़े हैं, जिससे त्वरित कार्रवाई संभव होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मॉडल भविष्य में पूरे मध्यप्रदेश पुलिस के लिए एक बड़ी तकनीकी क्रांति साबित हो सकता है। निर्माण की शिकायत की थी। अदालत ने डीसीपी को निर्देशित करते हुए कहा कि वह इस तरह की याचिकाओं की जांच करें, जहां एक ही संपत्ति पर अलग-अलग व्यक्तियों द्वारा याचिकाएं दायर की जा रही हैं। कोर्ट ने कहा कि यह अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग है और इसे रोका जाना चाहिए। न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा ने अपने फैसले में कहा कि मुरादाबाद के अमरोहा में रहने वाले याचिकाकर्ता आलिम नहीं है।

फोरलेन पर मवेशी से टकराई बाइकः इटारसी के अस्पताल में युवक की मौत, पहचान के लिए पुलिस ने शेयर किया फोटो

इटारसी, एजेंसी। बीती रात नेशनल हाईवे 46 पर औबेदुल्लागंज-बैतूल फोरलेन के पथरोटा में एक दुर्घटना हुई। सात्विक रेस्टोरेंट के पास एक अज्ञात युवक की बाइक मवेशी से टकरा गई।

घटना की जानकारी मिलते ही घायल को इटारसी के डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान सिर और नाक से अत्यधिक खून बहने के कारण युवक की मौत हो गई।

पथरोटा थाना प्रभारी संजीव कुमार पवार ने बताया कि घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। रेस्टोरेंट के कर्मचारियों ने बताया कि युवक बाइक से जा रहा था जब वह मवेशी से टकरा गया। मृतक के पास से मजदूरी के काम में उपयोग होने वाला हुक मिला है, जिससे अनुमान है कि वह हम्माली का काम करता था। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में युवक की पहचान के लिए जानकारी जुटा रही है।

पुलिस ने सोशल मीडिया पर युवक का फोटो पोस्ट किया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई मृतक की पहचान कर सकता है तो पथरौटा पुलिस से संपर्क करे या मृतक के परिजनों को सूचित करे, ताकि पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई की जा सके।

सागर के डोंगर सलैया में सूने मकान में चोरीःताला तोड़कर अनाज और सेंटिंग की प्लेटें ले भागे चोर, इंदौर गया था परिवार

सागर, एजेंसी। सागर में देवरी थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगर सलैया में चोरों ने सूने मकान में सेंध लगाई। चोर ताला तोड़कर मकान में घुसे। घर में रखा अनाज, टीवी और सेंटिंग की प्लेटें लेकर भागे हैं। वारदात के समय परिवार इंदौर में था। घटनाक्रम की सूचना मिलते ही परिवार के लोग गांव पहुंचे। जिसके बाद आज (शुक्रवार) देवरी थाने पहुंचकर शिकायत की है। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

फरियादी ममता पति गोवर्धन जाटव निवासी डोंगर सलैया ने बताया कि उनका परिवार इंदौर में रहकर मजदूरी करता है। कुछ महीने से इंदौर में थे। गांव के घर में ताला लगा था। सूना मकान होने का फायदा उठाकर चोर घुस गए। घर का ताला टूटा देखा तो परिवार के अन्य सदस्यों ने फोन पर चोरी होने की सूचना दी। जानकारी मिलते ही इंदौर से अपने गांव डोंगर सलैया आए। जहां घर के अंदर जाकर देखा तो एलईडी टीबी, 5 बोरी गेहूं, 20 सेंटिंग की प्लेट और साइकिल नहीं थी। अज्ञात चोर उक्त सामान लेकर भागे हैं। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। थाने के प्रधान आरक्षक मनोज मिश्रा ने बताया कि चोरी के मामले में दो संदिग्धों को पकड़ा है।

बातों में उलझाकर सोने के 35 लॉकेट चोरी किएः रतलाम में ज्वेलरी खरीदने आई थी दो महिलाएं और एक पुरुष, सीसीटीवी

रतलाम, एजेंसी। रतलाम जिले के बड़ावदा में ज्वेलर्स की शॉप पर गुरुवार को ग्राहक बनकर आई दो महिलाओं ने ज्वेलरी दिखाने के बहाने बातों में उलझाया। साथ में आए पुरुष ने सोने के लॉकेट से भरी डिब्बी चुरा ली। डिब्बी में 35 लॉकेट थे। जिसकी अनुमानित कीमत 6 लाख रुपए है। चोरी करते हुए की घटना शॉप में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

उज्जैन जिले के खाचरौद निवासी हर्ष पिता संतोषकुमार बाफना की बड़ावदा में खाचरौद रोड पर बाफना ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। प्रतिदिन वह अपने पिता के साथ खाचरौद से बड़ावदा आते हैं। लेकिन गुरुवार को पिता साथ में नहीं आए थे। दुकान पर बेटा हर्ष अकेला था। दोपहर 4 बजे दो महिलाएं व एक पुरुष दुकान पर पहुंचे। पायजेब दिखाने को कहा, फिर बिछिया दिखाने को कहा, लेकिन कुछ खरीदा नहीं। जाते समय महिलाओं ने फिर से ज्वेलर्स हर्ष को बातों में उलझा कर आगे की तरफ काउंटर में रखे आभूषण दिखाने को कहा।

ज्वेलर्स काउंटर की तरफ आगे आया इतने में पीछे से महिलाओं के साथ आए पुरुष ने काउंटर में अंदर हाथ डालकर सोने के लॉकेट की डिब्बी चुरा ली। डिब्बी को अपने साथ लाए थैली की आड़ में छिपा लिया। फिर वहां से तीनों चले गए। कुछ देर बार ज्वेलर्स हर्ष दुकान का सामान जमा रहा था तो सोने के लॉकेट की डिब्बी नजर नहीं आई। तब उसे शक होने पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय भी पहुंचे और जांच में जुटे।

लाल शर्ट पहने हुए था युवकः दुकान पर महिलाओं के साथ आया युवक लाल शर्ट पहने हुआ था। महिलाओं व पुरुष के आने से लेकर सोने के लॉकेट की डिब्बी चुराने व वापस जाने की पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद हो गया। 20 मिनट के अंदर बदमाश चोरी कर चले गए। पुलिस अब सीसीटीवी के आधार पर जांच में जुटी है। नगर में जनसहयोग से सीसीटीवी भी लगाए थे, लेकिन वह भी वर्तमान समय में बंद है।

साइबर सेल का हेड बनकर दोस्ती की, रेप भी कियाऱ्रीवा पुलिस ने देहरादून से बुलाकर पकड़ा, प्लास्टिक की पिस्टल और चाकू बरामद

रीवा, एजेंसी। रीवा के सेमरिया थाना क्षेत्र में एक युवक ने खुद को साइबर सेल का हेड बताकर सोशल मीडिया पर युवती से दोस्ती की और शादी का झांसा देकर छह महीने तक दुष्कर्म किया। साथ ही वह ब्लैकमेल करता रहा। पीड़िता की शिकायत पर रीवा पुलिस ने आरोपी अर्जुन कुमार को खास रणनीति से देहरादून से बुलाकर आज (शुक्रवार) गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया। आरोपी के पास से फर्जी आईडी, निजी दस्तावेज, प्लास्टिक की पिस्टल और चाकू बरामद किए गए।

देहरादून से रीवा बुलाकर गिरफ्तार किया : एसडीओपी उमेश प्रजापति ने बताया कि अर्जुन कुमार ने धोखे से युवती के फोन से प्राइवेट फोटो-वीडियो चुरा लिए थे। इसी से वह उसे ब्लैकमेल करता रहा।

युवती की शिकायत पर रीवा पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए विशेष रणनीति बनाई। पुलिस ने पीड़िता को आरोपी से नरमी से बात करने की सलाह दी और कहा कि उससे इस तरह बात करो कि उसे शक ना हो और उसे मिलने के लिए रीवा बुला लो। इसके बाद पीड़िता ने उसे मिलने के लिए रीवा बुलाया। इस दौरान पीड़िता लगातार उसकी लोकेशन लेती रही और पुलिस को भी जानकारी देती रही। जैसे ही गुरुवार देर शाम आरोपी देहरादून से लगभग 1000 किलोमीटर की यात्रा करके पीड़िता से मिलने रीवा पहुंचा। पुलिस ने उसे धर दबोचा और पकड़कर थाने ले गई। आज (शुक्रवार) कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। आरोपी के पास से प्लास्टिक की पिस्टल, चाकू, बाइक और आधार सहित अन्य दस्तावेज बरामद किए गए। आरोपी युवती को बीते 6 माह से परेशान कर रहा था। उसके निजी फोटो वीडियो भी फर्जी आईडी के जरिए सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहा था।

खंडवा में उल्टी-दस्त से 18 वर्षीय युवती की मौतऱ्झोलाछाप डॉक्टर किया था इलाज; 30 अगस्त को संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर लगेगा

खंडवा, एजेंसी। आदिवासी बाहुल्य खालवा ब्लॉक के ग्राम गोगईपुर में गुरुवार को एक 18 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। जानकारी अनुसार, अंकिता पिता शिवराम को अचानक उल्टी-दस्त की शिकायत हुई, जिसके बाद परिजन उसे तत्काल खालवा अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान किशोरी ने दम तोड़ दिया। परिजन ने बताया कि गांव के झोलाछाप डॉक्टर ने इलाज किया था। इधर, खालवा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया, झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सभी एसडीएम और बीएमओ सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पंधाना क्षेत्र में कार्रवाई की गई है। फिलहाल ऐसे गैर पंजीकृत और अवैध रूप से प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टर्स को चिह्नित किया जा रहा है।

30 अगस्त को लगाएंगे संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर : कलेक्टर गुप्ता के मुताबिक, इंदौर कमिश्नर के निर्देश पर 30 अगस्त को रोशनी के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर लगाएंगे। मरीजों को उनके गांव से रोशनी के स्वास्थ्य शिविर तक लाने के लिए वाहनों की पर्याप्त व्यवस्था रहेगी। स्वास्थ्य शिविर के लिए गांव-गांव में पंचायत सचिवों के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। मुनादी कराई जा रही है।

शिविर में इन हॉस्पिटल के डॉक्टर्स देंगे सेवाएं : सीएमएचओ डॉ. ओपी जुगतावत ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर में दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों की विभिन्न बीमारियों की स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श, अत्याधुनिक मशीनों से की जाएगी।

इंदौर के प्राइवेट व मेडिकल कॉलेज, इंदौर कैंसर फाउंडेशन, बांबे हास्पिटल, अपोलो राजश्री इंदौर, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हास्पिटल, चौईथराम हास्पिटल, शेल्वी हास्पिटल, एलएनसीटी चिकित्सा महाविद्यालय, विशेष जुपीटर, मेंदाता हास्पिटल इंदौर, केयर सीएचएल अस्पताल इंदौर, मेडिकल कॉलेज इंदौर के विशेषज्ञ, मेडिकल कॉलेज खंडवा व जिला अस्पताल खंडवा के विशेषज्ञ सेवाएं देंगे।

शिविर में होगी सभी प्रकार की जांचे : शिविर में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजिस्ट, जनरल मेडिसिन, जनरल फिजिशन, जनरल एंड लेप्रोस्कोपिक सर्जन, जनरल सर्जरी, शिशु रोग, बाल हृदय रोग, गेस्ट्रोलॉजी, नाक कान गला रोग, रेडियोथेरेपी, रेडियो डायग्नोसिस, स्त्री रोग विशेषज्ञ, कैंसर, सिकल सेल, टीबी, लेप्रोसी, सिलोकोसिस, हड्डी रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग, दंत रोग, मानसिक रोग, चर्म रोग, क्षय रोग, कुष्ठ रोग जैसे विभागों के डॉक्टर मौजूद रहेंगे। इसके अलावा मरीजों को एक्स-रे, ईसीजी, ईको मेमोग्राफी, सोनोग्राफी, पैथालॉजी जांच, सिकल सेल जांच की सुविधा भी फ्री उपलब्ध होगी। शिविर में दिव्यांगजनों के विकलांगता संबंधी प्रमाण-पत्र भी बनाए जाएंगे, ताकि वे सामाजिक न्याय विभाग की योजनाओं का लाभ ले सकें।पहले तो युवक ने पुलिसकर्मी बनकर सोशल मीडिया में उससे दोस्ती की पेशकश की। फिर धीरे-धीरे उस पर प्यार का दबाव बनाता रहा। अपने पुलिसकर्मी होने की ठसक दिखाता रहा।आरोपी युवक खुद उत्तराखंड के देहरादून का ही रहने वाला है। वह खुद को देहरादून में ही पदस्थ बताता था। उसके पास से साइबर सेल चीफ उत्तराखंड का फर्जी आईडी कार्ड भी बरामद हुआ है।

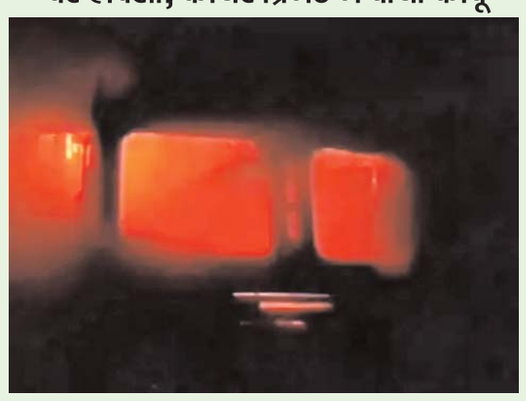

सीहोर में खड़े खाली ट्रक में लगी आग, जमुनिया रोड साइलो के सामने वेयरहाउस पर हादसा; फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में जमुनिया रोड साइलो के सामने वेयरहाउस पर खड़े एक खाली ट्रक में आग लग गई। आग की सूचना रात 12ऱ्45 बजे मिली। फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड टीम के चालक आरिफ खान और फायरमैन अतीक खान ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। आग इतनी भीषण थी कि ट्रक पूरी तरह से जल गया। घटना के समय ट्रक में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि ट्रक को वहां कौन खड़ा करके गया था। पुलिस ट्रक के नंबर के आधार पर मालिक का पता लगाने का प्रयास कर रही है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

छतरपुर में 10वीं के छात्र ने की आत्महत्या, कोचिंग से लौटने के बाद कमरे में लगाई फांसी; परिजनों को नहीं पता कारण

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर के गहरवार गांव में दसवीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान सतीश कुशवाहा(17) के रूप में हुई है। घटना शुक्रवार सुबह की है। सतीश रोज की तरह सुबह साढ़े 8 बजे ईसानगर में कोचिंग से पढ़कर घर लौटा। घर आने के बाद वो अपने कमरे में चला गया। करीब 10 बजे तक जब वह बाहर नहीं आया, तो परिजन खाना खाने के लिए बुलाने गए। कमरे में देखा तो वो पाइप से रस्सी के सहारे लटका हुआ था। परिजन तुरंत एंबुलेंस से उसे जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल चौकी ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आत्महत्या का कारण अभी पता नहीं : मृतक के चाचा प्रकाश, जो पन्ना की खदान में काम करते हैं, को सुबह भतीजे की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्कूली वाहन हादसे में 7 घायल बच्चों को राहत, खरगोन के दसंगा में कार ने मारी थी टक्कर; बच्चों को अस्पताल से मिली छुट्टी

खरगोन, एजेंसी। खरगोन के लोनारा क्षेत्र में स्कूली वाहन और कार की टक्कर में घायल बच्चों को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। हादसा तब हुआ जब लोनारा चाइल्ड स्कूल का मैजिक वाहन छुट्टी के बाद 13 बच्चों को लेकर मलतार, हतोला और दसंगा गांव की ओर जा रहा था। रॉन्ग साइड से आ रही कार (स्क्क09ष्टश्च2140) ने मैजिक वाहन को टक्कर मार दी। इस टक्कर से मैजिक वाहन पलट गया। स्थानीय लोगों की मदद से सभी बच्चों को वाहन से बाहर निकाला गया। एक छात्र और एक छात्रा को सिर और कान के पास चोट आई थी।

घायल बच्चों में मलतार के रवि (5 वर्ष), आदित्य (13 वर्ष), निलेश (11 वर्ष), भव्य (6 वर्ष), युविका (7 वर्ष) और सूचिता (6 वर्ष) शामिल हैं। सभी घायल बच्चों का जिला अस्पताल में इलाज किया गया और शुक्रवार सुबह उन्हें छुट्टी दे दी गई। ऊन पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस; कैंट थाना क्षेत्र में हुआ हादसा

नीमच , एजेंसी। कैंट थाना क्षेत्र के शोरूम चौराहे पर आज सुबह एक सड़क हादसा हुआ। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान भरभड़िया निवासी 51 वर्षीय गोपाल मालवीय के रूप में हुई है। गोपाल मालवीय बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वे सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों ने उन्हें जिला चिकित्सालय पहुंचाया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक के परिजन अस्पताल पहुंचे। जिला चिकित्सालय पुलिस चौकी ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। कैंट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इससे आरोपी वाहन और उसके चालक का पता लगाया जा सकेगा।

किराक हैदराबाद ने रोहतक रौडीज को हराकर प्रो पंजा लीग सीजन 2 का खिताब जीता

ग्वालियर, एजेंसी। किराक हैदराबाद ने ग्वालियर में गुरुवार रात हुए फाइनल में रोहतक रौडीज को 30-18 से हराकर प्रो पंजा लीग सीजन 2 का खिताब जीत लिया है। विजेता टीम को प्रो पंजा लीग की ओर से 20 लाख रुपये का इनाम भी मिला है। रोहतक रौडीज की निर्मल देवी को %प्लेयर ऑफ द डे% का पुरस्कार दिया गया। किराक हैदराबाद के सतनाम सिंह को %प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट% घोषित किया गया। स्टीव थॉमस ने %बादशाहों का बादशाह% का खिताब जीता। किराक हैदराबाद पूरे टूर्नामेंट में अंकों के मामले में आगे रहे और अंतिम दिन अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए एक सुयोग्य और शानदार जीत दर्ज की। पिछले सीजन के उपविजेता, जो सिर्फ एक अंक से चैंपियनशिप से चूक गए थे, इस बार ट्रॉफी उठाई और इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। किराक के स्टीव थॉमस ने दीपांकर मेच को सिर्फ 0.09 सेकंड में पिन करके प्रो पंजा लीग का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो सचिन गोयल के 0.10 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ता है।

कार्यक्रम में प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परविन दबास और प्रीति झांगियानी उपस्थित थे। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह तोमर, हॉकी इंडिया के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य डॉ. नरिंदर ध्रुव बत्रा, पेशेवर पहलवान सौरव गुर्जर और पूर्व कबड्डी खिलाड़ी राहुल चौधरी भी उपस्थित थे। ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व मुक्केबाज विजेंदर सिंह टीम एंबेसडर के रूप में रोहतक रौडीज का समर्थन करने के लिए उपस्थित थे। फाइनल में, दोनों टीमों ने कुल 10 मैच खेले, अंडरकार्ड में चार और मेन कार्ड में छह, प्रतिष्ठित मुकुट के लिए लड़ने के लिए अब तक लीग में देखी गई हर श्रेणी में एक खिलाड़ी भेजा। अंडरकार्ड पूरी तरह से किराक हैदराबाद का रहा क्योंकि उन्होंने प्रतियोगिता की शुरुआत में रोहतक रौडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप का आनंद लिया। अविलिये जुयी ने 90 किग्रा मुकाबले में अर्शदीप सिंह पर 2-0 से शानदार जीत के साथ टोन सेट किया। नवीन एमवी ने 60 किग्रा श्रेणी में निखिल सिंह को 2-0 से हराकर बढ़त को दोगुना कर दिया, इससे पहले रचना जाटव ने 55 किग्रा प्रतियोगिता में कराबी सोनोवाल के खिलाफ एक और साफ 2-0 जीत के साथ फायदा बढ़ाया और अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। रौडीज के बिल्ला ताजामुल ने अपनी टीम को जीवित रखने के लिए कड़ी लड़ाई लड़ी, लेकिन अनुभवी कप्तान आस्कर अली ने मेन कार्ड मैचों से पहले अपनी टीम को आरामदायक स्थिति में रखने के लिए 80 किग्रा मुकाबले में 2-0 से जीत हासिल की। मेन कार्ड में, विशेष रूप से सक्षम मैच में विश्व चैंपियन श्रीनिवास बीवी ने रोहतक रौडीज के लिए शुरुआती अंक हासिल किए क्योंकि उन्होंने किराक हैदराबाद के चंदन कुमार बेहरा को 5-0 से हराया। निर्मल देवी ने रोहतक रौडीज के लिए गति बनाए रखी क्योंकि उन्होंने चैलेंजर राउंड को सक्रिय किया और 65+ किग्रा श्रेणी में जिंसी जोस के खिलाफ 10-0 की निर्दोष जीत हासिल की। 18 वर्षीय आभास राणा ने 100+ किग्रा डिवीजन में अमित चौधरी को 5-0 से हराकर एक रोमांचक मुकाबले में किराक हैदराबाद की ओर रुख वापस कर दिया। किराक हैदराबाद की माधुरा केएन ने 65 किग्रा मुकाबले में रिबासुक लिंगदोह को 5-0 से हराया। माधुरा ने पहले दो राउंड में दो फ्लैशपिन के साथ अपना दबदबा स्थापित किया। रिबासुक ने तीसरे राउंड में अपने प्रतिद्वंद्वी को रोकने की कोशिश की लेकिन अपने प्रतिद्वंद्वी को रोक नहीं सके, किराक हैदराबाद को महत्वपूर्ण अंक दे दिए। ट्रॉफी दांव पर लगने के साथ, हैदराबाद के स्टीव थॉमस ने 70 किग्रा मुकाबले में दीपांकर मेच के खिलाफ 10-0 से जीतकर सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया।

रिंकू सिंह के तूफान में उड़ा गोरखपुर लॉयन्स, मेरठ मेवरिक्स ने 6 विकेट से दर्ज की जीत

लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश टी20 लीग 2025 के नौवें मुकाबले में मेरठ मेवरिक्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोरखपुर लॉयन्स को 6 विकेट से पराजित कर दिया। यह मुकाबला रिंकू सिंह की विस्फोटक शतकीय पारी के नाम रहा, जिन्होंने मात्र 48 गेंदों में नाबाद 108 रन ठोके। पहले बल्लेबाजी करते हुए गोरखपुर लॉयन्स ने 20 ओवर में 167 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान ध्रुव ज्युरेल ने 38 रन (32 गेंद) बनाए, जबकि निशांत कुशवाहा ने 24 गेंदों में 37 रन जोड़े। अक्षदीप नाथ ने भी 16 गेंदों में 23 रन का योगदान दिया। हालांकि लॉयन्स की टीम बड़ी साझेदारियां नहीं कर पाई और अंत में 9 विकेट खोकर 167 पर रुक गई। मेरठ मेवरिक्स के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। विशाल चौधरी और विजय कुमार ने 3-3 विकेट चटकाए, जबकि जीशान अंसारी ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेवरिक्स की शुरुआत साधारण रही, लेकिन रिंकू सिंह ने आते ही मैदान पर तूफान मचा दिया और देखते ही देखते मैच का रुख बदल गया। रिंकू ने अपनी नाबाद 108 रनों की पारी में 10 छक्के और 7 चौके जड़े। उनके साथ सहाब युवराज सिंह ने 22 रनों का योगदान दिया। मेवरिक्स ने 18.5 ओवर में 4 विकेट खोकर 168 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मेरठ मेवरिक्स ने अंक तालिका में अपनी स्थिति को मजबूत कर लिया है, जबकि गोरखपुर लॉयन्स को हार के बाद अगले मैच में वापसी करनी होगी।

यूएस ओपन 2025 : निक किर्गियोस ने पुरुष एकल से नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई टेनिस स्टार निक किर्गियोस लगातार तीसरे साल यूएस ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। टूर्नामेंट आयोजकों ने गुरुवार को उनके नाम वापसी की पुष्टि की। 30 वर्षीय किर्गियोस पिछले कुछ सालों से पैर, घुटने और कलाई की चोटों से जूझ रहे हैं। इस सीजन में उन्होंने केवल पांच एकल मुकाबले खेले हैं, जिनमें से चार में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। किर्गियोस का करियर का सबसे सफल वर्ष 2022 रहा था, जब वे विंबलडन फाइनल तक पहुंचे थे और न्यूयॉर्क में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि चोटों के कारण उनका करियर लगातार प्रभावित होता रहा। उन्होंने 2023 में सिर्फ एक मैच खेला, जबकि 2024 पूरा साल मिस किया। इस साल भी मार्च में मियामी ओपन की दूसरी राउंड हार के बाद से उन्होंने कोई एकल मैच नहीं खेला है। किर्गियोस की जगह मुख्य ड्रॉ में एक 'लकी लूजर' को शामिल किया जाएगा। यूएस ओपन के इस साल के अंतिम ग्रैंड स्लैम के एकल मुकाबले रविवार से शुरू होंगे। की कुल पुरस्कार राशि 350000 अमेरिकी डॉलर है। खेल मंत्रालय ने नई नीति की घोषणा करते हुए कहा कि यह निर्णय भारत की समग्र पाकिस्तान नीति के अनुरूप है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय खेल आयोजनों पर रोक रहेगी। भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान में किसी भी

सिंकफील्ड कप: गुकेश ने चौथे राउंड में वाचियर-लाग्रेव से ड्रॉ खेला - प्रज्ञानानंद ने सेवियन को बराबरी पर रोका

सेंट लुइस (अमेरिका), एजेंसी। सिंकफील्ड कप के चौथे दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद को अमेरिका के सैमुअल सेवियन ने आसान ड्रॉ पर रोक दिया, जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश और फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ मुकाबला बराबरी पर रहा। अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने दिन के एकमात्र निर्णायक मैच में उज़्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर दो दिनों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। अन्य मैचों में अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिज़्सटॉफ़ के साथ ड्रॉ खेला और फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरूज़ा ने वेस्ली सो के साथ अंक बांटे। अभी पांच राउंड बाकी हैं, कारुआना चार मैचों में तीन अंकों के साथ एकल बढ़त पर हैं और उनके बाद प्रज्ञानानंद और अरोनियन 2.5-2.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। पांच खिलाड़ियों का एक समूह वेस्ली, फ़िरोज़ा, वाचियर-लाग्रेव, सेवियन और गुकेश दो-दो अंक लेकर संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। डूडा उनसे आधा अंक पीछे हैं, जबकि अब्दुसत्तोरोव सिर्फ़ आधा अंक लेकर तालिका में सबसे नीचे हैं। प्रज्ञानानंद ने सफ़ेद मोहरों के साथ क्वीन्स गैम्बिट का सामना किया और सेवियन के सामने कोई ख़ास समस्या खड़ी नहीं कर पाए। बीच के खेल में कई मोहरे हाथ बदलते रहे और जल्द ही बोर्ड पर अंतिम खेल ड्रॉ हो गया। गुकेश भी अपनी सफ़ेद मोहरों का ज़्यादा इस्तेमाल नहीं कर पाए, क्योंकि वाचियर-लाग्रेव ने दिन के एक और रानी मोहरे के खेल में कड़ा प्रतिरोध किया। खेल की शुरुआत में ही रानी मोहरों का लेन-देन हो गया।हालांकि, यह थोड़ा पेचीदा था, लेकिन दोनों खिलाड़ी अपनी-अपनी जगह डटे रहे। इसके बाद हुए रूक एंडगेम में दोनों खिलाड़ियों के पास एक-एक मोहरा होने के कारण कोई खास उम्मीद नहीं दिखी और ड्रॉ एक न्यायसंगत परिणाम रहा। नोदिरबेक की जीत की तलाश जारी रही, क्योंकि कारुआना ने राजा की तरफ़ से किए गए एक बेवजह हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया। अब्दुसत्तोरोव ने एक मोहरा कुर्बान किया, लेकिन उन्हें मनचाहा परिणाम नहीं मिला यह राउंड में खेली जाएगी।

दूसरा वनडे-साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 84 रन से हराया: सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

मैकाय, एजेंसी। मैकाय में खेले गए दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 84 रन से हरा दिया। इसी के साथ प्रोटियाज ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। पहला वनडे साउथ अफ्रीका ने 98 रन से जीता था। शुक्रवार को साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम 49.1 ओवर में 277 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। प्रोटियाज ओर से मैथ्यू ब्रिट्जके ने 88 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 74 रनों की पारी खेली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 89 रनों की अहम साझेदारी भी की। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आखिरी 10 ओवरों में वापसी की। एक समय 233/5 के स्कोर से साउथ अफ्रीका ने 31 रन जोड़ते हुए 5 विकेट गंवाए। टीम पूरे 50 ओवर भी बैटिंग नहीं कर सकी। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। एडम जम्पा ने 3 विकेट लिए, जबकि ट्रैविस हेड और मार्नस लाबुशेन ने मिलकर 2 विकेट झटके। नाथन एलिस ने भी 2 विकेट हासिल किए। तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने शुरुआती झटके दिए और कप्तान ऐडन मार्करम को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। 278 रन का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम पेसर लुंगी एनगिडी के सामने टिक नहीं पाई। उन्होंने 5 विकेट चटकाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। ऑस्ट्रेलिया से जोश इंग्लिस ने 87 रन बनाए। टीम से 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए।

एनगिडी ने मैच साउथ अफ्रीका के नाम किया : ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर ट्रैविस हेड को नांद्रे बर्गर ने 6 रन पर आउट कर दिया। कप्तान मिचेल मार्श को वियान मुल्डर ने आउट किया। टीम से जोश इंग्लिस एकमात्र बल्लेबाज रहे जिन्होंने तेजी से बल्लेबाजी की और 74 बॉल पर 87 रन बनाए। उन्होंने 10 चौके और 2 सिक्स भी लगाए। इंग्लिस को एनगिडी ने विकेटकीपर रायन रिकेल्टन के हाथों कैच आउट कराया। एनगिडी 8.4 ओवर की बॉलिंग करते हुए मात्र 42 रन दिए और 5 बल्लेबाजों को आउट किया। ब्रिट्जके ने लगातार चौथा अर्धशतक लगाया साउथ अफ्रीका के लिए ब्रिट्जके ने लगातार चौथा अर्धशतक लगाया और वह चार मैचों के बाद वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। वहीं स्टब्स ने 16 पारियों के बाद पहली बार पचास का आंकड़ा छुआ।

एशियाई चैंपियनशिप में एलावेनिल वलारिवन ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता स्वर्ण

शिमकेंट (कज़ाकिस्तान), एजेंसी। भारतीय निशानेबाज एलावेनिल वलारिवान ने शुक्रवार को 16वीं एशियाई चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। प्रतियोगिता में शामिल एक अन्य भारतीय मेहुली घोष आठ निशानेबाजों के फाइनल में 208.9 अंक हासिल करने के बाद चौथे स्थान पर रहीं। तमिलनाडु की 26 वर्षीया खिलाड़ी ने विश्व कप में कई स्वर्ण पदक जीते हैं और विश्व चैंपियनशिप में भी शीर्ष स्थान पर रही हैं। उन्होंने फाइनल में 253.6 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। चीन की शिनलू पेंग ने 253 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता, जबकि कोरिया की यूंजी क्वोन (231.2) ने कांस्य पदक जीता। यह वलारिवन का मौजूदा प्रतियोगिता में पहला व्यक्तिगत पोडियम स्थान था, इससे पहले उन्होंने टीम स्पर्धाओं में एक रजत और एक कांस्य पदक जीता था। वालारिवन ने 630.7 अंकों के साथ आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। घोष पहले 630.3 अंकों के साथ दसवें स्थान पर रही थीं, लेकिन दो अन्य उच्च रैंकिंग वाली भारतीय - आर्या बोरसे (633.2) और सोनम मस्कर (630.5) के केवल रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा करने के कारण प्रतियोगिता से बाहर होने के कारण फाइनल में जगह नहीं बना पाई। वालारिवन का पदक इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत के लिए दूसरा सीनियर व्यक्तिगत स्वर्ण पदक था, जहाँ देश अपने जूनियर निशानेबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत शीर्ष पर है। अनंतजीत सिंह नरुका ने पुरुषों की स्कीट पदक जीता था।

बीसीसीआई को पुरुष टीम के लिए दो नए चयनकर्ताओं की तलाश, अगरकर को मिलेगा नया साथी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को पुरुष और महिला राष्ट्रीय चयन समितियों के रिक्त पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए। इसमें सीनियर पुरुष चयन समिति में दो सदस्य और महिला चयन समिति में चार नए पद शामिल हैं। सभी आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 10 सितंबर तय की गई है।

बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि पात्रता मानदंड पहले की तरह ही रहेंगे। उम्मीदवार को कम से कम सात टेस्ट मैच या 30 फर्स्ट क्लास मैच खेलने का अनुभव होना चाहिए। वैकल्पिक रूप से, जिन खिलाड़ियों ने कम से कम 10 वनडे इंटरनेशनल (लिस्ट ए) या 20 फर्स्ट क्लास मैच खेले हों, वे भी आवेदन कर सकते हैं। एक बीसीसीआई अधिकारी ने पीटीआई को बताया, सेलेक्टर्स का कॉन्ट्रैक्ट हर साल रिन्यू किया जाता है। अभी यह तय नहीं हुआ है कि किन मौजूदा सेलेक्टर्स को बदला जाएगा, लेकिन प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी।

मौजूदा समिति : वर्तमान पुरुष चयन समिति, जिसने हाल ही में एशिया कप के लिए टीम का चयन किया था, का नेतृत्व पूर्व तेज गेंदबाज अजीत अगरकर कर रहे हैं। समिति में उनके साथ एसएस दास, सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा और एस शरथ शामिल हैं।

जूनियर चयन समिति : बीसीसीआई ने पुरुषों की जूनियर क्रिकेट चयन समिति में भी एक सदस्य के लिए आवेदन मांगे हैं। यह समिति अंडर-22 तक की उम्र वर्ग की टीमों के लिए कैंप, टूर्स और टूर्नामेंट्स का चयन करती है। यह पद संभवतः मुख्य चयनकर्ता का हो सकता है।

महिला चयन समिति : महिला राष्ट्रीय चयन समिति में चार पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। मौजूदा महिला पैनल की अध्यक्षता नीतु डेविड कर रही हैं। उनके साथ रेनू मार्ग्रेट, आरती वैद्य, कल्पना वेंकटाचार और श्यामा डे शॉ सदस्य हैं। इस समिति ने हाल ही में घरेलू वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारतीय महिला टीम का चयन भी किया था।

अगरकर के रहते मिली सफलता : हालांकि, हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह बात सामने आई थी कि अगरकर का कार्यकाल जून 2026 तक बढ़ाने का फैसला लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने यह फैसला भारतीय टीम की हालिया सफलताओं को देखते हुए लिया। अगरकर को जुलाई, 2023 में चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनके कार्यकाल में टीम इंडिया ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं, जिनमें वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल खेलना, टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतना और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की जीत शामिल है। अंतिम ओवरों में खराब शॉट सिलेक्शन और लगातार विकेट गिरने से साउथ अफ्रीका बड़ा स्कोर खड़ा करने का मौका गंवा बैठा। ब्रिट्जके ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ चौथे विकेट के लिए 89 रनों की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया के स्पिनरों ने आखिरी 10 ओवरों में पकड़ बनाई और साउथ अफ्रीका को 280 से नीचे रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 7 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया, जिनमें से 3 स्पिनर थे।

एक देश एक चुनाव वर्तमान समय की सबसे बड़ी मांग और चुनौती है: उप मुख्यमंत्री

भावी पीढ़ी को नशे से बचाकर ही समाज और देश का विकास होगा: उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने एक देश एक चुनाव विषय पर आयोजित संगोष्ठी में कहा कि एक देश एक चुनाव वर्तमान समय की सबसे बड़ी मांग और चुनौती है। देश में 1952 से 1967 तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ-साथ हुए हैं। अलग-अलगर कारणों से सरकारें भंग हुई और मध्यावधि चुनाव की नौबत आई। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुन: एक देश एक चुनाव का कठिन संकल्प लिया है। जिस तरह प्रधानमंत्री जी के अन्य संकल्प पूरे हुए उसी तरह यह संकल्प भी पूरा होगा। लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होने पर हजारों करोड़ रुपए की बचत होगी। विकास कार्यों के लिए अधिक राशि और अधिक समय मिलेगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिए हर व्यक्ति और हर मतदाता को जागरूक करके इसमें शामिल करना होगा। संगोष्ठी का आयोजन जेएनसीटी इंजीनियरिंग कालेज में किया गया।

संगोष्ठी में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में नशे की लत बड़ी सामाजिक बुराई के रूप में हमारे सामने कठिन चुनौती की तरह है। कोरेक्स और अन्य नशीले पदार्थों के कारण युवा पीढ़ी अपने उद्देश्य से भटक रही है। नशा तन, मन और धन तीनों का विनाश करता है। भावी पीढ़ी को नशे से बचाकर ही समाज और देश का विकास होगा। भावी पीढ़ी यदि नशे की राह में चली गई तो हर तरह का विकास बेमानी हो जाएगा। आज विकास के जो कार्य हो रहे हैं उनका सर्वाधिक उपभोग भावी पीढ़ी ही करेगी। नशे पर नियंत्रण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने करोड़ो रुपए के नशीले पदार्थ जप्त किए हैं तथा 600 से अधिक नशे के सौदागरों को जेल भेजा है। नशे की बुराई को समाप्त करने के लिए समाज के सभी वर्गों विशेषकर युवाओं को योगदान देना आवश्यक है। हर व्यक्ति जागरूक होकर और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझकर नशे का विरोध करे। जो नशे की गिरफ्त में हैं उन्हें उपचार और समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का भी प्रयास किया जा रहा है।

संगोष्ठी में सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि एक देश एक चुनाव बहुत आवश्यक है। दुनिया के कई देशों में तीन-चार तरह के चुनाव एक साथ होते हैं। बेल्जियम में मतदाता एक बार मतदान करके पाँच अलग-अलग तरह के जनप्रतिनिधि चुनता है जिनसे लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय की सरकारों का गठन होता है। देश में भी प्रथम आम चुनाव से ही लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते रहे हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहाँ सर्वाधिक मतदाता हैं। यदि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होने लगें तो करोड़ो मतदाता एक ही चुनाव में दो सरकारों के प्रतिनिधि चुन लेंगे। इससे परिश्रम, धन और समय तीनों की बचत होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक देश एक चुनाव का संकल्प लिया है। हम सब मिलकर इस संकल्प को पूरा करने में योगदान दें। संगोष्ठी में जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, समाजसेवी डॉ राजेन्द्र मिश्रा, राम सिंह, राजेश पाण्डेय, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, कालेज के संचालक एसएन तिवारी, प्राध्यापकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गुढ़ विधायक ने टीबी रोगियों को वितरित किए पोषण आहार के पैकेट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में टीबी उन्मूलन में प्रयास निरंतर जारी हैं। जिला स्तरीय टीम के साथ ब्लॉक स्तरीय टीम सामाजिक प्रतिनिधियों एवं स्वसहायता समूहों के समन्वय से टीवी उन्मूलन की दिशा में कार्य किया जा रहा है। टीबी उन्मूलन के लिए निक्षय मित्रों की श्रृंखला भी बनाई जा रही है। इसी क्रम में रायपुर कर्चुलियान में आयोजित समारोह में गुढ़ विधायक नागेंद्र सिंह ने टीबी रोगियों को पोषण आहार के 50 पैकेट वितरित किए। पोषण आहार के रूप में चार किलो आटा, दो किलो मूंगफली, एक किलो दाल तथा एक किलो भूना चना टीबी रोगियों को वितरित किया गया। विधायक श्री सिंह ने निक्षय मित्र के रूप में प्रतिबद्ध होकर टीबी उन्मूलन को अपने समाज से जड़ से मुक्त करने का संकल्प लिया। उन्होंने टीबी रोगियों के पोषण आहार के लिए 30 हजार रुपए रेडक्रास सोसायटी रीवा के खाते में जमा कराया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि समारोह में टीबी रोगियों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने वाले स्वयंसेवकों तथा निक्षय मित्रों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में सचिव रेडक्रॉस राजेन्द्र पाण्डेय, जनपद सीईओ संजय कुमार सिंह, जिला छय अधिकारी डॉ अनुराग शर्मा, बीएमओ डॉ कल्याण सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, रेनू सिंह का विशेष सहयोग रहा।

रोजगार मेला 29 को मऊगंज में

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। युवा संगम कार्यक्रम के तहत शासकीय शहीद केदारनाथ स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय मऊगंज में 29 अगस्त को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 10 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में आमधनी धूत ट्रांसमिशन औरांगाबाद, आमधनी प्रा. लि. एमआरएस टायर्स गुजरात, प्रभा बायोप्लांट्स प्रा. लि., मिग्मा पैकट्रॉन प्रा. लि. इंदौर, आयसर ट्रक एण्ड बस पीथमपुर धार, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा, बजाज अलियाज प्रा.लि. तथा स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा. लि. भोपाल में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

मुख्यमंत्री 7 को आएंगे देवतालाब, बैठक में की गई तैयारियों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 7 सितंबर को मऊगंज जिले में विभिन्न स्थानों का भ्रमण करेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम में बहुती जलप्रपात पर्यटन स्थल तथा देवतालाब शिव मंदिर को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव देवतालाब स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। समारोह में विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा शिलान्यास भी किया जाएगा। कलेक्ट्रेट सभागार मऊगंज में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री जी के प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में विधायक देवतालाब तथा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने कहा कि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम जिले के लिए महत्वपूर्ण है। सभी तैयारियां समय पर और उच्च स्तर की होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, पार्किंग, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा की सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं। बैठक में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री सबसे पहले पर्यटन स्थल जलप्रपात पहुंचेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री देवतालाब पहुंचकर शिवमंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना करेंगे। मुख्यमंत्री देवतालाब स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। इन सभी कार्यक्रमों की तैयारी की जा रही है। इसके लिए विभिन्न अधिकारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्व के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग बहुती और देवतालाब में हेलीपैड निर्माण तथा सभास्थल में आवश्यक निर्माण एवं बेरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल में सुरक्षा व्यवस्था, आंगतुकों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई, मंच की साज-सज्जा तथा कार्यक्रमों के प्रस्तुतिकरण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक के बाद विधायक देवतालाब तथा कलेक्टर ने प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों का भ्रमण करके की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, एडीएम पीके पाण्डेय, एसडीएम मऊगंज राजेश मेहता, एसडीएम हनुमना रश्मि चतुर्वेदी, एडिशनल एसपी विक्रम सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विशाल रक्तदान शिविर आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला प्रशासन तथा प्रजापिता ब्रम्हकुमारी संस्थान द्वारा दो दिवसीय विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर 23 अगस्त को सुबह 8 बजे से कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आरंभ होगा। इसमें दोपहर 2 बजे तक स्वैच्छिक रक्तदान किया जाएगा।

विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 18वीं पुण्य स्मृति दिवस पर प्रजापिता ब्रम्हकुमारी संस्थान द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मऊगंज में भी 23 अगस्त को जिला अस्पताल मऊगंज में भी सुबह 8 बजे से प्रजापिता ब्रम्हकुमारी संस्थान द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आमजनता से शिविर में स्वैच्छिक रूप से रक्तदान की अपील की गई है। शिविर को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग तथा जिला रेडक्रास समिति द्वारा आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

पेयजल व्यवस्था और सीवरेज लाइन के निर्माण कार्य दिसम्बर तक पूरे करें: उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में नगर निगम में अमृत-2 योजना के तहत किए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत-2 योजना से स्वीकृत पेयजल व्यवस्था से जुड़े सभी निर्माण कार्य दिसम्बर माह तक अनिवार्य रूप से पूरा करा दें। पाइपलाइन बिछाने का कार्य लगभग पूरा हो गया है। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और 12 टंकियों का निर्माण सितम्बर माह तक पूरा कराकर इनकी टेस्टिंग शुरू कर दें। अमृत-2 योजना से 15 हजार घरों में नए नल कनेक्शन होंगे तथा पूर्व के घरों में पानी की आपूर्ति बेहतर होगी। इससे शहर के सभी वार्डों में मीठा पानी पर्याप्त मात्रा में पहुंचने लगेगा। आमजनता की मीठे पानी की वर्षों की मांग इससे पूरी होगी। निर्माण कार्य होने पर 94 एमएलडी पानी की आपूर्ति हो सकेगी जो शहर की आगामी 30 साल की जरूरत को पूरा कर सकेगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सीवरेज लाइन का निर्माण तय समय सीमा में करें। बारिश समाप्त होते ही रोड रेस्टोरेशन का कार्य तेजी से कराएं। शेष बचे सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण पूरा कराकर सितम्बर माह से सीवरेज लाइन से घरों का कनेक्शन शुरू कर दें। कनेक्शन देने के बाद सड़कों के निर्माण का कार्य तेजी से पूरा कराएं। बिछिया नदी में मिलने वाले नालों के भी पानी को साफ करने की व्यवस्था करें। सीवरेज लाइन निर्माण का कार्य पूरा होने के बाद शहर की स्वच्छता में वृद्धि होगी। पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण और नदियों को स्वच्छ रखने का उद्देश्य भी इससे पूरा होगा। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने बताया कि पेयजल व्यवस्था से जुड़े सभी निर्माण कार्य 31 दिसम्बर तक पूरे हो जाएंगे। सीवरेज लाइन में जयंती कुंज एसटीपी को छोड़कर शेष सभी का निर्माण अक्टूबर माह तक पूरा हो जाएगा। बाबा घाट एसटीपी का कार्य पूरा हो गया है तथा यहाँ अब गंदे पानी का शोधन करके साफ पानी नदी में छोड़ा जा रहा है। बैठक में एसडीएम हुजूर वैशाली जैन तथा निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विधानसभा की समिति ने किया करहिया मण्डी का भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा की कृषि विकास समिति ने करहिया कृषि उपज मण्डी का भ्रमण किया। मण्डी परिसर में सदस्यों का मंत्रोच्चार से स्वागत किया गया। इस अवसर पर समिति के सभापति विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि देश के विकास में खेती का महत्वपूर्ण योगदान है। खेती से ही देश की अधिकतम आबादी को आजीविका मिल रही है। कृषि उपज मण्डी मुख्य रूप से किसानों के लिए है। मण्डी में किसानों को पूरी सुविधा देना सुनिचित करें। ई मण्डी व्यवस्था को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करें। किसान साल भर कठिन परिश्रम करके जो फसल उगाता है उसका उचित लाभ उसे मण्डी में मिलना चाहिए। खेती को बेहतर करने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने नदी जोड़ो का संकल्प लिया था। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस संकल्प को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह

चौहान और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी खेती के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। रीवा जिले में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मछलीपालन के विकास की असीम संभावनाएं हैं। निरीक्षण के समय समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। उप संचालक मण्डी आनंद मोहन शर्मा ने जिले में मण्डी बोर्ड की योजनाओं तथा मण्डी की व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर खड़े ट्रकों पर परिवहन विभाग ने की कार्रवाई, 55 वाहनो के हुए चालान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। परिवहन सुरक्षा स्क्वाड रीवा ने सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के लिए सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ व्यापक चालानी कार्रवाई शुरू की है। यह अभियान शहर के प्रमुख मार्गों, विशेष रूप से रतहरा और चोरहटा बाईपास रिंग रोड जैसे व्यस्त क्षेत्रों में चलाया गया, जहां अवैध पार्किंग के कारण जाम और दुर्घटनाओं की समस्या बढ़ रही है। इन सभी वाहनों के ऑनलाइन चालान बनाए गए। परिवहन अधिकारी ने बताया कि अवैध रूप से सड़क किनारे खड़े ट्रक, कंटेनर हाइवा और अन्य वाहन न केवल यातायात को बाधित कर देते हैं, बल्कि कई बार गंभीर दुर्घटनाओं का कारण भी बनते हैं। इस अभियान के तहत परिवहन सुरक्षा स्क्वाड टीम ने वाहनों की जांच की और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के चालान काटे। कई वाहनों को मौके पर ही हटाने के निर्देश दिए गए, ताकि सड़क पर आवागमन सुगम हो सके। संभागीय परिवहन अधिकारी ने कहा कि अवैध पार्किंग सड़क सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। हमारा उद्देश्य न केवल नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करना है, बल्कि लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी कार्रवाई और सख्त होगी और बार-बार उल्लंघन करने वालों के खिलाफ वाहन जप्ती जैसी कठोर कार्रवाई भी की जा सकती है। अभी तक सडक के किनारे खड़े अवैध रूप से 55 वाहनो के चालान बनाये जा चुके हैं। रतहरा बाईपास के पास रहने वाले लोग और वहां से आवागमन करने वाले व्यक्तियों ने इस कार्य कि सराहना की है।

खेती के विकास से ही देश का विकास होगा: सभापति कृषि समिति

नवाचार करके किसान को लाभकारी खेती से जोड़ें: परिहार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विधानसभा कृषि विकास समिति द्वारा रीवा जिले में कृषि विकास की समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में समिति के सभापति विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि विन्ध्य में खेती का तेजी से विकास हुआ है। पिछले पाँच वर्षों में यहाँ धान, गेंहू और फल सब्जी का उत्पादन तेजी से बढ़ा है। शासन की विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करके खेती को आधुनिक बनाएं। प्राकृतिक खेती, जैविक खेती तथा फसल विविधीकरण को बढ़ावा दें। नवाचार करके किसानों को लाभकारी खेती से जोड़ें देश की 75 प्रतिशत आबादी की आजीविका का आधार खेती है। खेती का विकास होने से किसान और देश दोनों समृद्ध होंगे।

सभापति ने कहा कि रीवा में 750 मेगावाट का सोलर पावर प्लांट यहाँ के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। रीवा की ग्रीन एनर्जी से दिल्ली की मैट्रो ट्रेन दौड़ रही है। सोलर ऊर्जा के विकास के लिए लगातार प्रयास करें। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जिले के एक लाख 83 हजार किसान लाभान्वित हो रहे हैं। शेष किसानों की भी ई केवाईसी कराकर योजना से लाभान्वित कराएं। फसल बीमा योजना से लाभान्वित किसानों की विधानसभावार पूरी जानकारी समिति को उपलब्ध कराएं। खेती के साथ-साथ पशुपालन और मुर्गीपालन को भी बढ़ावा दें। आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना से बैंकों में दर्ज 83 प्रकरणों को स्वीकृत कराकर ऋण और अनुदान का वितरण कराएं। जिले में बसामन मामा गौ अभ्यारण्य में 8 हजार से अधिक गौवंशों की सेवा की जा रही है। अभी भी बेसहारा गौवंश तथा सड़कों पर विचरण कर रहे गौवंश को गौशालाओं में व्यवस्थित कराएं। पंचायतों द्वारा संचालित गौशालाओं की व्यवस्था बेहतर करें।

बैठक में समिति के सदस्य विधायक नरेन्द्र प्रजापति ने जिले में यूरिया की कमी और गौवंश के सड़कों में विचरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि खाद की कालाबाजारी करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जाए। बैठक में उपस्थित एडीएम सपना त्रिपाठी ने बताया कि जिले में खाद के वितरण को सुगम बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सभी निजी विक्रेताओं के दुकानों पर राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में खाद की बिक्री की जा रही है। खाद के अवैध व्यापार में लिप्त पाँच दुकानदारों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। बैठक में संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ राजेश मिश्रा ने बताया कि गौवंश को सड़कों से हटाकर गौशालाओं में व्यवस्थित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विकासखण्ड गंगेव में हिनौती गौधाम का विकास किया जा रहा है जिसमें 50 हजार निराश्रित गौवंशों को रखा जाएगा। बैठक में संयुक्त संचालक कृषि जेएस नेताम ने रीवा जिले और संभाग में किए जा रहे कृषि विकास के कार्यों की जानकारी दी। बैठक में समिति के सदस्य विधायक सुनील तिवारी, विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, विधायक संतोष बरकड़े, विधायक भैरव सिंह बापू तथा विधायक साहब सिंह गुर्जर उपस्थित रहे। बैठक में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।